आज का सुविचार

दुःख को दूर करने की एक ही औषधि है, मन से दुखों की चिंता न करना

वेदव्यास

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-04 भोपाल, सोमवार 15 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

त्रिपुरा के लोगों को आवास योजना की किश्त जारी : मोदी बोले-

विकास को पहले सियासी चश्मे से देखा जाता था, इसलिए पूर्वोत्तर उपेक्षित महसूस करता था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए त्रिपुरा के 1.47 लाख से भी ज्यादा लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण की पहली किश्त जारी कर दी है। इसके तहत लाभार्थियों के बैंक खातों में 700 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की रकम सीधे जमा की गई है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने विपक्ष और पिछली सरकारों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, %देश के समग्र विकास को टुकड़ों में देखा जाता था, सियासी चश्मे से देखा जाता था। इसलिए हमारा पूर्वोत्तर खुद को उपेक्षित महसूस करता था। विकास को अब देश की एकता और अखंडता का पर्याय माना जाता है। पहले नीतियां बंद कमरों में बनती थीं। अब दिल्ली के हिसाब से ही नहीं बल्कि यहां की जरूरत के हिसाब से नीतियां बनती हैं। पक्के मकान को लेकर कुछ नियम त्रिपुरा के लाखों परिवारों के सामने बाधा बन रहे थे, लेकिन सरकार ने त्रिपुरा की भौगोलिक परिस्थितियों को समझा। उसके हिसाब से नीतियां बनाईं।

त्रिपुरा के विकास के लिए राज्य-केंद्र मिलकर काम कर रहे

मोदी ने कहा कि अब अगरतला और दिल्ली दोनों एक साथ मिलकर त्रिपुरा के विकास के लिए नीतियों बनाते हैं, मेहनत करते हैं और परिणाम लेकर आते हैं। आप देखिए बीते 4 वर्षों में त्रिपुरा के गांवों में करीब 50 हजार परिवारों को पीएम-आवास योजना के तहत पक्के घर बनाकर दिए जा चुके हैं। करीब 1.60 लाख नए घरों की स्वीकृति दी गई है। करीब 1.5 लाख परिवारों को आज पहली किश्त भी जारी हो गई वो भी एक साथ, एक बटन दबाकर। मोदी ने कहा कि 15 नवंबर को हर साल भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यानी कल का दिन पूरे हिंदुस्तान के हर कोने में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

क्या है PMAY-G योजना?

PMAY-G प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य बेघर लोगों को खुद का आशियाना मुहैया करवाना है। देशभर में बड़ी संख्या में ग्रामीण लोगों को इस योजना का फायदा मिला है। योजना के तहत, गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवारों को पक्के मकान बनाने के लिए दो लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दी जाती है।

पंचांग

कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी, सोमवार, 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:34/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	45 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 50,830

पटना में ATM तोड़कर 35.47 लाख लूटने की कोशिश, मौके से पुलिस ने तीन को गिरफ्तार किया

पटना। पटना में 35.47 लाख रुपए लुटने से बच गए। ये रुपए ATM में थे। अपराधी ATM तोड़कर उसमें रखे कैश को लूटने वाले थे। मगर, मशीन तोड़ते वक्त सेंसर बज गया और सीधे बैंक के मुंबई ऑफिस को इसकी खबर हो गई। वहां से तुरंत पुलिस को कॉल आया और फिर छापेमारी कर 3 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला राजधानी के पत्रकार नगर थाने में 90 फीट इलाके का है। वारदात तो शुक्रवार को आधी रात के बाद करीब पौने 1 बजे के आसपास की है। मगर, पुलिस ने इसका खुलासा शनिवार की रात किया। वहां पर HDFC बैंक और टाटा इंडिकैश का ATM है।

नक्सलियों ने परिवार के 4 लोगों को फांसी पर लटकाया

बिहार। बिहार के गया में नक्सलियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। यहां एक परिवार के चार सदस्यों की घर में घुसकर हत्या कर दी। मृतकों में दो भाई और उनकी पत्नियां हैं। इसके बाद चारों के शवों को घर के बाहर फंदे पर लटका दिया और फिर घर को बम से उड़ा दिया। वारदात के बाद नक्सलियों ने घर के बाहर एक पर्चा भी चिपकाया है। इसमें बदला लेने के लिए इस परिवार के सदस्यों की हत्या की बात कही गई है। गया में कल यानी 15 नवंबर को चुनाव भी होना है। SSP आदित्य कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

आर्मी चीफ नरवणे इजराइल रवाना

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे आज इजरायल के पांच दिवसीय दौरे पर रवाना हुए। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

शाह सदर्न जोनल काउंसिल की मीटिंग में शामिल होंगे

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह आज सदर्न जोनल काउंसिल की मीटिंग में शामिल होंगे। दक्षिणी राज्यों की यह बैठक आंध्र प्रदेश के तिरुपति में आयोजित की जा रही है। मीटिंग से पहले शाह ने तिरुपति में भगवान व्यंकटेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की।

यूपी में छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या

पीलीभीत में नग्न हालत में मिला शव, मुंह में कपड़ा ठूंसा था

पिता बोले- पुलिस जबरन शव ले गई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में 12वीं की छात्रा से गैंगरेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। यहां के बरखेड़ा थाना इलाके में ट्यूशन पढ़ने निकली छात्रा को आरोपी खेत में ले गए और मुंह में कपड़ा ठूंसकर दुष्कर्म किया। आरोपियों ने वारदात को छिपाने के लिए लड़की की गला दबाकर हत्या कर दी। शनिवार देर रात उसका शव घर से 500 मीटर की दूरी पर स्थित खेत में मिला। इस मामले में मृतक के परिजन ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। छात्रा के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। शव के आसपास खून बिखरा हुआ था। खेत से कुछ ही दूरी पर उसकी किताबें, बैग, साइकिल और जूते बरामद हुए हैं। पुलिस को घटनास्थल पर बियर की 4 बोतलें, नमकीन और सिगरेट के टुकड़े मिले हैं। आशंका है कि आरोपियों की संख्या दो से ज्यादा थी। मृतक छात्रा के पिता ने बताया कि उनकी 16 साल की बेटी शनिवार सुबह स्कूल के पास ट्यूशन जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन काफी देर तक नहीं लौटी। इस पर घर वालों ने सोचा कि ट्यूशन से सीधे स्कूल चली गई होगी।

बाल कांग्रेस पर नरोत्तम का कटाक्ष

दिग्गी-कमलनाथ जैसे होंगे टीचर तो कैसे होंगे एडमिशन!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दतिया

मध्य प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा बाल कांग्रेस बनाए जाने को लेकर कटाक्ष किया है। उनका कहना है कि जिस क्लास में कमलनाथ व दिग्विजय जैसे शिक्षक होंगे वहां एडमिशन कम होंगे टीसी ज्यादा कटेंगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को एक नए प्रकोष्ठ बाल कांग्रेस का शुभारंभ हुआ। बाल कांग्रेस बनाने का विचार कमलनाथ के मन में आया और यह मूलत पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के समय बनाई गई वानर सेना से उपजा है। बाल कांग्रेस में 16 से लेकर 20 साल तक के सदस्य शामिल किए जाएंगे और इन्हें इतिहास की जानकारी देकर भविष्य की राजनीति के लिए तैयार किया जाएगा। कमलनाथ का मानना है कि बाल कांग्रेस में प्रवेश लेने वाले किशोर आने वाले समय में देश की राजनीति को सही दिशा और दशा दे सकेंगे। बाल कांग्रेस का गठन बूथ, मंडल और सेक्टर स्तर पर किया जाएगा। पूर्व मंत्री बाला बच्चन को बाल कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया है। कमलनाथ के बाल कांग्रेस बनाने पर प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने चुटकी ली है। उनका कहना है कि बाल दिवस के मौके पर आज कांग्रेस नेतृत्व को इस बात पर गंभीरता से आत्ममंथन करना चाहिए कि आज उनकी क्लास में एडमिशन कौन और क्यों लेगा! नरोत्तम ने कहा कि यदि उनकी क्लास में कमलनाथ व दिग्विजय जैसे वयोवृद्ध शिक्षक होंगे तो एडमिशन लेने वाले कम और टीसी कटाने वाले ज्यादा होंगे।

वहीं कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि बाल कांग्रेस के प्रकोष्ठ का गठन कांग्रेस के विस्तार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है और इसके दूरगामी परिणाम होंगे। कांग्रेस के प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का कहना है कि बाल कांग्रेस के माध्यम से किशोर न केवल देश के इतिहास का सही ढंग से अध्ययन कर सकेंगे बल्कि राजनीति का ककहरा सीखकर भविष्य के लिए एक ही योग्य नेतृत्व तैयार करने में भी बाल कांग्रेस मील

दिल्ली में मायावती से मिलने पहुंचीं प्रियंका गांधी, बसपा सुप्रीमो की मां के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी रविवार को दिल्ली में बसपा प्रमुख मायावती से मुलाकात करने पहुंचीं। प्रियंका मायावती की मां के निधन पर शोक जताने गई थीं, जिनका 92 साल की उम्र में निधन हो गया था। इस दौरान प्रियंका और मायावती के बीच काफी देर तक बातचीत भी हुई।

मायावती की मां का 92 साल की उम्र में हार्ट फेल हो जाने की वजह से दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया था। इसके बाद मायावती दिल्ली पहुंची थीं। अंतिम संस्कार आज दिल्ली में किए जाने की जानकारी दी गई है।

परिवार के जरिए सियासत में सोनू सूद

बहन मालविका मोगा से लड़ेंगी चुनाव, पार्टी पर जल्द फैसला; खुद के राजनीति में आने पर पत्ते नहीं खोले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

बॉलीवुड स्टार सोनू सूद परिवार के जरिए राजनीतिक पारी शुरू करेंगे। उनकी बहन मालविका सूद चुनाव में उतरेंगी। वह मोगा विधानसभा सीट से अगले साल हो रहा पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। रविवार को सोनू सूद ने मोगा में कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि अभी पार्टी तय नहीं है लेकिन जल्द ही इस

पर भी फैसला हो जाएगा। अपने राजनीति में आने के बारे में उन्होंने कहा कि बहन का चुनाव लड़ना पहला कदम है। इसके बाद आगे बढ़ते जाएंगे। सूद ने इस दौरान दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम चरणजीत चन्नी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वो जल्द अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल से भी मिलेंगे। सोनू सूद ने कहा कि बहन मालविका ने बहुत काम किए हैं। वह पंजाब चुनाव में आएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह पंजाब की सेवाएं करेंगी। उन्होंने कहा कि अभी यह तय नहीं है कि कौन सी पार्टी से लड़ेंगी।

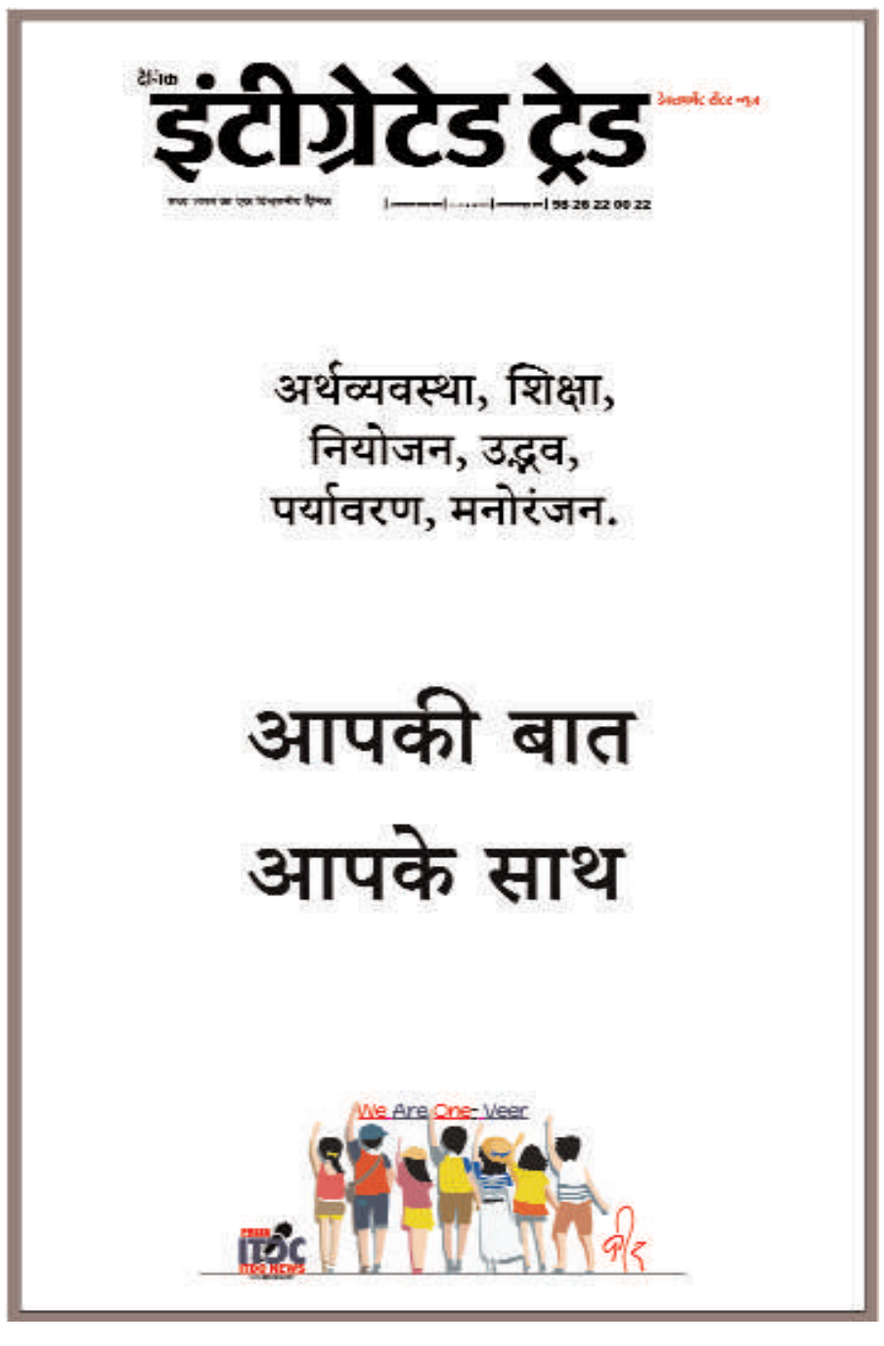

कोवीशील्ड की डोज में गैप कम नहीं होगा:सीरो सर्वे में खुलासा-

वैक्सीन की दोनों डोज में 12 हफ्तों के अंतर ने बेहतर इम्यून सिस्टम तैयार किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जिन लोगों ने कोवीशील्ड के पहले और दूसरे डोज के बीच 12 हफ्तों का अंतर रखा था, उनमें बेहतर इम्यून सिस्टम तैयार हुआ है। सीरो सर्वे के मुताबिक इससे इन लोगों को तुरंत किसी भी बूस्टर डोज की जरूरत नहीं है। इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक्सपर्ट्स ने देश में दो डोज के बीच के अंतर को कम करने की किसी भी संभावना से इनकार किया है। अभी कोवीशील्ड के पहले और दूसरे डोज के बीच में 12 से 16 सप्ताह का अंतर रहता है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि रिपोर्ट को विचार के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपा जाएगा। सूत्र ने कहा है कि हम नियमित आधार पर डेटा की समीक्षा कर रहे हैं और हमने बड़े पैमाने पर

उपलब्ध टीकाकरण के डेटा का भी अध्ययन किया है। कोई भी निर्णय वैज्ञानिक तथ्यों को देखकर ही लिया जाएगा।

दोनों डोज के बीच का अंतर नहीं होगा कम

सूत्र के अनुसार कोवीशील्ड के दोनों डोज के अंतर को कम नहीं किया जाएगा, क्योंकि डेटा से पता चलता है कि कोवीशील्ड की दो खुराक के बीच 3 महीने के अंतराल से इम्यून सिस्टम में बेहतर सुधार हुआ है।

112 करोड़ डोज दिए जा चुके, 88त कोवीशील्ड के

देश में कोविड वैक्सीन की कुल 112 करोड़ से अधिक खुराक लगाई जा चुकी हैं। जिनमें से 88त कोवीशील्ड है। कोवीशील्ड को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका ने मिलकर बनाया है। वहीं स्थानीय स्तर पर सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इसे तैयार कर रहा है।

39 फीसदी लोगों को लगे दोनों डोज

79त से अधिक आबादी को कम से कम कोविड वैक्सीन का एक डोज लगाया जा चुका है। वहीं लगभग 39त को दोनों डोज लग चुके हैं। डेटा के अनुसार 12 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें दूसरे डोज लगने को समय हो गया है, लेकिन उन्होंने अब तक नहीं लगवाया है।

दो बार हो चुका है बदलाव

केंद्र सरकार कोवीशील्ड के दोनों डोज के बीच के अंतर को दो बार बदल चुकी है। पहले 22 मार्च को दो डोज के अंतर को 4-6 हफ्ते से बढ़ाकर 6-8 हफ्ते किया। फिर 13 मई को अंतर बढ़ाकर 12-16 हफ्ते कर दिया। कोवैक्सिन के डोज के अंतर में कोई बदलाव नहीं किया गया।

रेलवे ऑनलाइन सिस्टम में नाम अभी हबीबगंज ही

बुकिंग भी इसी नाम से, अपडेट होने पर रानी कमलापति नाम आएगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम अभी सिर्फ स्टेशन पर ही रानी कमलापति हुआ है, लेकिन रेलवे के ऑनलाइन सिस्टम में अभी अपडेट नहीं है। ऐसे में फिलहाल टिकट की बुकिंग हबीबगंज के नाम से ही हो रही है। रेलवे के ऑनलाइन सिस्टम में नया नाम अपडेट होने के बाद ही रेलवे स्टेशन रानी कमलापति नाम से हो पाएगा। इसके बाद हबीबगंज नाम डालने पर ऑटोमैटिक रानी कमलापति आ जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रात करीब 10 बजे वे वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन हबीबगंज (अब रानी कमलापति) का निरीक्षण करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम को अंतिम रूप देंगे।

इस तरह बदलेगा नाम

IRCTC भोपाल के छ्व्रक्रू ने बताया अभी नया नाम ऑनलाइन अपडेट नहीं हुआ है। तकनीकी कारणों से इसमें कुछ समय लगेगा। अभी हबीबगंज के नाम से ही बुकिंग होगी। प्रक्रिया के तहत सबसे पहले रेलवे के पीआरएस सिस्टम में बदलाव होगा। यह पश्चिम मध्य रेलवे के यहां से ही दिल्ली में ही होगा। क्रिस्प के सिसटम में यह अपडेट होगा। उसके बाद यह ह्वञ्जस्ञ्जष्ट पर आ जाएगा। इसके बाद रानी कमलापति नाम हो जाएगा। टिकट बुकिंग हबीबगंज नाम खोजने पर ही भी ऑटोमैटिक रानी कमलापति आ जाएगा।

यहां पर बदला होगा

स्टेशन के नाम के साथ ही रेलवे के सभी दस्तावेजों में नाम बदला जाएगा। इसके साथ ही अब हबीबगंज नाम की सभी ट्रेन रानी कमलापति नाम से हो जाएगी। हालांकि इससे गाड़ी नंबर पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

भोपाल के लोगों को परेशानी हुई

स्टेशन का नाम बदलने के कारण लोगों बीते चौबीस घंटों के दौरान टिकट बुकिंग कराने वालों को परेशानी हुई। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन नाम से ऑनलाइन बुकिंग खोजने वालों को सिस्टम में नाम अपडेट नहीं होने के कारण परेशानी हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में कदम और करंज का पौधा रोपा

मुख्यमंत्री के साथ इंदौर की यूट्यूबर कुमारी खनक हजेला ने भी किया पौध-रोपण

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज इंदौर की यूट्यूबर कुमारी खनक हजेला के साथ स्मार्ट उद्यान में कदम्ब और करंज का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खनक से उनके द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री चौहान वृक्षारोपण में समाज की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में वे प्रतिदिन सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और व्यक्तिगत स्तर पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने वाले लोगों के साथ पौध-रोपण कर रहे हैं। कुमारी खनक हजेला अपने यूट्यूब चैनल गपशप विद खनक के लिए प्रसिद्ध हैं। वह सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेतीं हैं। गत तीन वर्षों से वे फाइनेंशियल इंक्लूजन, ऑनलाइन पेमेंट्स जैसे मुद्दों पर वीडियो बनाती हैं और यूट्यूब चैनल से आने वाले पैसों का उपयोग सामाजिक कार्यों में करती हैं। कुमारी खनक हजेला पर्यावरण संरक्षण के लिए गतिविधियाँ चलाने, बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने और शैक्षणिक सामग्री की व्यवस्था करने जैसे कार्यों में भी सक्रिय है। कुमारी खनक ने कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान, धार-झाबुआ में रहने वाले जरूरतमंदों तक जरूरी दवाओं की किट पहुँचाई। कुमारी खनक का मानना है कि कोविड-19 के विरुद्ध सबके साथ मिलकर लड़ाई लड़ी जाए तो कोरोना को हराया जा सकता है। वे इंदौर शहर में सेवा भारती और श्री गुरुजी सेवा न्यास के साथ संलग्न रही और मातृछाया के बच्चों के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराने में सक्रिय है। आज लगाए गए कदम्ब या कदम को देव वृक्ष माना जाता है। कदम्ब आयुर्वेद में अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। इसके पत्ते बहुत बड़े होते हैं और इसमें से गोंद निकलता है। इसके फल नींबू की तरह होते हैं। प्राचीन वेदों और रचनाओं में इसके सुगन्धित फूलों का उल्लेख मिलता है। करंज का पौधा आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज के पौधे का इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शी योजनाओं से देश तेजी से विकास कर रहा है : मंत्री श्री सखलेचा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार तरक्की की ओर अग्रसर है। योजनाओं से आम आदमी को बड़ा लाभ मिल रहा है। ग्रामीण एवं शहरी स्ट्रीट वेंडर्स को ब्याजमुक्त एवं आसानी से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे आसानी से आजीविका चला सकें। रतलाम के बरबड़ विधायक सभागृह में प्रदेश स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा %क्रेडिट आउटरीच अभियान% के तहत मेगा कैंप आयोजित किया गया। इसमें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को 143 करोड से ज्यादा रुपयों के ऋण उपलब्ध कराए गए। श्री सखलेचा ने कहा कि प्रदेश के हर एक जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे और हर वर्ग आत्मनिर्भर बन सकेगा। हम सब मिलकर प्रदेश के साथ देश को भी आत्मनिर्भर बनाएंगे और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करेंगे। इस मेगा कैंप में एक से अधिक बैंकों द्वारा विभिन्न वर्गों को 143.36 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए गए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के तहत 336 हितग्राहियों को 55 करोड़ 54 लाख रूपए के ऋण वितरण किए गए। पीएम मुद्रा में 131 हितग्राहियों को 5 करोड़ 50 लाख रुपए के, मुख्यमंत्री स्ट्रीट वेंडर में 66 हितग्राहियों को 12 लाख रूपए के ऋण वितरित किए गए। कार्यक्रम में विधायक श्री चैतन्य काश्यप, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी तथा सीईओ श्री एम.वी. राव, आदि उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

ध्रुपद का राष्ट्रीय समारोह प्रतिवर्ष ग्वालियर में होगा आयोजित

भोपाल। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि राष्ट्रीय ध्रुपद समारोह ग्वालियर में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही विख्यात संगीतज्ञ बैजू बाबरा की याद में भी ग्वालियर में आयोजन होगा। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने यह बात शनिवार को ग्वालियर के महाराज बाडा स्थित टाउन हॉल में दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र नागपुर, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ध्रुपद समारोह 2021 के शुभारंभ अवसर पर कही। ध्रुपद समारोह 13 से 15 नवम्बर 2021 तक प्रतिदिन सायंकाल 6 बजे से टाउन हॉल में आयोजित होगा। राष्ट्रीय ध्रुपद महोत्सव समारोह की अध्यक्षता प्रदेश की संस्कृति, धर्म एवं अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने की।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य जनजातीय संग्रहालय में जनजातीय समुदाय के लोगों के साथ मिलकर जनजातीय संस्कृति और नृत्य कला के रंग में रंगे।

मुख्यमंत्री ने कैलाश सारंग की पुण्य-तिथि पर किया नमन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्व. श्री कैलाश सारंग की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास स्थित सभागार में श्री कैलाश सारंग के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। स्व. श्री सारंग कुशल संगठक, योग्य प्रशासक, लेखक, चिंतक, पत्रकार, कवि और शायर थे। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। श्री कैलाश सारंग का जन्म 2 जून 1934 को रायसेन जिले के डूमर गाँव में हुआ। वे 1990 से 1996 तक राज्यसभा सासंद रहे। श्री सारंग ने प्रधानमंत्री श्री मोदी पर नरेन्द्र से नरेन्द्र शीर्षक से पुस्तक लिखी। वे सदैव समाज के पीड़ित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहे। उनका निधन 14 नवम्बर 2020 को हुआ था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट कर बताया कि - मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे सदैव उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा। आज भी उनके जीवन मंत्र मुझे प्रेरित करते हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र, समाज और गरीबों की सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अपने जीवन की अंतिम साँस तक संगठन की सेवा की। पितृ तुल्य स्व. कैलाश सारंग जी का सदैव हम कार्यकर्ताओं पर स्नेह बना रहे, उनके अमूल्य विचार हमारे पथ प्रदर्शित करते रहें। स्व. कैलाश सारंग जी की पुण्य-तिथि पर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

जनजाति समाज पर शोध जनजातियों के नजरिए से किए जाने की आवश्यकता है : हर्ष चौहान

» भोज मुक्त विश्वविद्यालय में जनजातीय शोध पीठ का शुभारंभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली के सहयोग से जनजातीय शोध पीठ का शुभारंभ किया गयाद्य इस संबंध में आयोजित एक समारोह में बोलते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री हर्ष चौहान ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस घोषित होने से सभी देशवासियों का ध्यान जनजातियों की ओर गया है। उन्होंने कहा कि जनजातियों के बारे में ईमानदारी से किये गये अध्ययन का स्वागत सबसे पहले जनजातियाँ करेंगीद्य जनजातियों की सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि वे कहते हैं कि हमें कोई समझता ही नहीं लेकिन हमारे बारे में बातें बहुत की जाती हैं। उन्होंने कहा कि जनजातियों के बारे में उनके नाम पर काम कम और पाखंड ज्यादा किया जाता है। भोज मुक्त विश्वविद्यालय की शोध पीठ के संदर्भ में उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे आशा है कि यह शोध पीठ जनजातियों के संदर्भ में एक ईमानदार शोध का प्रयास करेगी जिसमें जनजातियों की केवल सांस्कृतिक पहचान की ही चर्चा नहीं होगी बल्कि उनके सामाजिक ढांचे, सामाजिक व्यवस्था, उनकी अर्थव्यवस्था, जनजातियों से संबंधित कानून, तकनीकी और जनजाति के अधिकारों के बारे में विस्तृत और गहन शोध किया जाएगा द्य हर्ष चौहान जी ने कहा कि भारत में प्रारम्भ से ही राजनीतिक वर्ग जनजातियों के प्रति अपने लगाव को प्रदर्शित करता रहा है और इसके लिए अनेक योजनाएं बनाईं गई किंतु समस्या यह है कि योजनाओं को लागू करने वाले संस्थानों को जनजातियों के संदर्भ में बहुत ही कम जानकारी है और जो भी जानकारी है वह भी शहरी नजरिए वाली हैद्य उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के संदर्भ में हमारे संविधान निर्माताओं के द्वारा पहले ही बहुत अच्छी व्यवस्था की गयी है ताकि वे लोग अपनी सांस्कृतिक परंपराओं आदि का पालन करते हुए विकास कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि इस शोध पीठ में जनजाति अर्थव्यवस्था, विकास, उनके अधिकार और कानूनों के संदर्भ तथा जंगलों के संदर्भ में विशेष अध्ययन की आवश्यकता हैद्य कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर जयंत सोनवलकर ने कहा कि जनजातीय शोध को जमीन पर जाकर गांव-गांव में घूमकर करना होगा द्य इस समय ऐसे प्लेटफार्म की जरूरत है जहां अलग-अलग हो रहे तमाम शोधों को एक जगह पर रखकर उसका विस्तृत अध्ययन किया जा सके जिससे सरकार को भी अपनी नीतियां बनाने में मदद मिल सकेद्य इस अवसर पर डॉ सोनवलकर ने कहा कि विश्वविद्यालय इस शोध पीठ के लिए 5 करोड़ रुपए का प्रावधान करेगा तथा इसके लिए एक प्राध्यापक, दो सह प्राध्यापक और 3 सहायक प्राध्यापक और इनके साथ अनेक शोधार्थियों का प्रावधान किया गया, जिससे जनजातीय शोध का कार्य सुचारू रूप से जल्द ही शुरू किया जा सकेद्य कार्यक्रम में उपस्थित मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष डॉक्टर भरत शरण सिंह ने कहा कि भोज विश्वविद्यालय की इस शोध पीठ का लाभ सम्पूर्ण मध्य प्रदेश को होगा ।

न्यूज ब्रीफ

देश का कोयला आयात अप्रैल-सितंबर में 12.6 प्रतिशत बढ़कर 10.73 करोड़ टन पर

मुंबई। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले छह माह (अप्रैल-सितंबर) के दौरान 12.6 प्रतिशत बढ़कर 10.73 करोड़ टन पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में कोयला आयात 9.53 करोड़ टन रहा था। एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।
एमजंक्शन टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम है। यह एक बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी है जो कोयले पर शोध रपट भी प्रकाशित करती है। हालांकि, सितंबर महीने में कोयला आयात घटकर 1.48 करोड़ टन रह गया, जो पिछले साल के समान महीने में 1.90 करोड़ टन से अधिक था। सितंबर में कोयले के आयात में 21.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। एमजंक्शन सर्विसेज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कहा, ''सितंबर में कोयले के आयात में गिरावट उम्मीद के आयकूल है। इसकी वजह वैश्विक बाजारों में तापीय और कोकिंग कोयले की कीमतों में बढ़ोतरी है। समुद्री मार्ग से आने वाले कोयले की कीमतों में जबतक उल्लेखनीय कमी नहीं आती है, यह रुख जारी रहेगा।'' सितंबर में कुल कोयला आयात में नॉन-कोकिंग कोल का हिस्सा 92.2 लाख टन रहा। पिछले साल सितंबर में यह आंकड़ा 1.19 करोड़ टन रहा था। वहीं इस दौरान कोकिंग कोयले का आयात 45.8 लाख टन से घटकर 42.7 लाख टन पर आ गया। एमजंक्शन ने कहा कि सितंबर में प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के जरिये देश के कोयला आयात में इससे पिछले महीने अगस्त, 2021 की तुलना में करीब 2.4 प्रतिशत की गिरावट आई है।

ऐप एनी की रिपोर्ट : रोज 4.8 घंटे फोन पर बिता रहे भारतीय, ऐप डाउनलोड्स में भी 28 फीसदी का इजाफा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत के लोग इस वक्त स्मार्टफोन पर सबसे ज्यादा वक्त बिता रहे हैं। इसके साथ मोबाइल पर समय बिताने के मामले में भारत चौथे नंबर पर पहुंच गया है। मोबाइल ऐप एनालिस्ट कंपनी ऐप एनी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

5.5 घंटे के साथ इंडोनेशिया पहले नंबर पर

ऐप एनी की एक रिपोर्ट के मुताबिक 5.5 घंटे के साथ इंडोनेशिया पहले नंबर पर, 5.4 घंटे के साथ ब्राजील दूसरे नंबर पर, 5 घंटे के साथ दक्षिण कोरिया तीसरे नंबर पर, 4.8 घंटे के साथ भारत चौथे नंबर पर और 4.8 घंटे के साथ मैक्सिको पांचवें नंबर पर है। भारतीय यूजर्स हर रोज 24 घंटे में से 4.8 घंटे मोबाइल पर बिता रहे हैं। पिछले साल की पहली तिमाही में यह समय 4 घंटे का था। इसमें सबसे ज्यादा यूजर्स गेमिंग वाले हैं। इसके अलावा फिनटेक और क्रिप्टो ऐप्स भी भारत में काफी पॉपुलर हो रहे हैं। ऐप एनी ने 2021 की तीसरी तिमाही की रिपोर्ट जारी की है। कुल ऐप्स की डाउनलोडिंग में भी 28 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है जिसके बाद डाउनलोड हुए कुल ऐप्स की संख्या 24 हजार करोड़ पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत मोबाइल गेमिंग के लिहाज से पूरी दुनिया में सबसे बड़ा मार्केट है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्येक पांचवां मोबाइल गेम ऐप भारत में ही डाउनलोड होता है।

मोबाइल पर समय बिताने में भारत चौथे नंबर पर

एसबीआई क्रेडिट कार्ड यूजर्स को झटका

कंपनी ने ईएमआई से पेमेंट करने पर प्रोसेसिंग चार्ज लगाया, 1 दिसंबर से होगी शुरुआत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आपके पास एसबीआई का क्रेडिट कार्ड है, तो अगले महीने से इसके जरिए खरीदी करना आपको थोड़ा महंगा पड़ेगा। हर खरीदी पर 99 रुपए और टैक्स अलग से देना होगा। यह प्रोसेसिंग चार्ज होगा। सबसे पहले एसबीआई क्रेडिट कार्ड ने इसकी शुरुआत की है। एसबीआई क्रेडिट कार्ड ने अपने ग्राहकों को ईमेल कर नए चार्ज की जानकारी दी है। इसमें ग्राहकों को बताया गया है कि 1 दिसंबर 2021 से सभी मर्चेंट ईएमआई के लेन-देन पर बतौर प्रोसेसिंग चार्ज 99 रुपए और टैक्स देना होगा।

अभी तक किसी और क्रेडिट कार्ड कंपनी ने शुरू नहीं किया

अब तक किसी और बैंक या कंपनी ने क्रेडिट कार्ड पर प्रोसेसिंग चार्ज की शुरुआत नहीं की है। एसबीआई के फैसले के बाद माना जा रहा है कि सभी क्रेडिट कार्ड कंपनियां प्रोसेसिंग फीस की शुरुआत कर सकती हैं। यह प्रोसेसिंग फीस ब्याज और दूसरे चार्ज के अलावा लगेगी। यह प्रोसेसिंग चार्ज सभी ईएमआई से खरीदी पर लगेगा। यह खरीदी चाहे मर्चेंट आउटलेट पर हो, ई-कॉमर्स वेबसाइट पर हो या फिर ऐप पर। इस फैसले से बाय नाऊ-पे लेटर स्कीम पर भी असर हो सकता है। ग्राहक ज्यादा खरीदी इसी से करते हैं।

किसी भी खरीदी पर लगेगा चार्ज

एसबीआई क्रेडिट कार्ड के इस फैसले को ऐसे समझते हैं कि मान लीजिए आप ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म से कोई मोबाइल फोन खरीदते हैं। इसका पेमेंट करने पर आपको 99 रुपए और टैक्स अलग से देना होगा। यह चार्ज आपके क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट में ईएमआई अमाउंट के रूप में दिखेगा।

इंटरेस्ट अमाउंट के बाद लगेगा चार्ज

यह प्रोसेसिंग चार्ज इंटरेस्ट अमाउंट के बाद लगेगा। कुछ मामलों में मर्चेंट इस तरह के लेन-देन पर डिस्काउंट देते हैं। ग्राहकों को जीरो कॉस्ट ईएमआई भी मिलती है। अब इन सबके अलावा ऐसे लेनदेन पर यह प्रोसेसिंग चार्ज अलग से ग्राहकों को देना होगा। यह फीस सिर्फ उसी लेनदेन पर लगेगी, जो ईएमआई में बदला जाएगा। अगर आपका पेमेंट फेल हो जाता है या कैंसिल हो जाता है तो यह चार्ज वापस मिल जाएगा।

एचडीएफसी बैंक मार्केट लीडर

RBI के आंकड़ों के मुताबिक, एचडीएफसी बैंक ने सितंबर में 2.44 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए थे। दूसरे नंबर पर ICICI बैंक रहा, जिसने 2.33 लाख कार्ड जारी किए। एक्सिस बैंक ने 2.02 लाख और देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने 1.74 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए थे। इसके कार्ड जारी करने की संख्या में 6 फीसदी की गिरावट आई है। आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में सभी बैंकों ने कुल 10.91 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए।

हर साल बढ़ रहे एसबीआई क्रेडिट कार्ड यूजर

एसबीआई कार्ड ने 2018 में 16.89 लाख, 2019 में 20.13 लाख, 2020 में 22.76 लाख और 2021 में अब तक 12.74 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए हैं। क्रेडिट कार्ड सेक्टर में एचडीएफसी बैंक का हिस्सा 15 फीसदी है। एसबीआई कार्ड का हिस्सा 12.6 फीसदी और ICICI बैंक का हिस्सा 11.7 फीसदी है। अक्टूबर में क्रेडिट कार्ड से खर्च में 22 फीसदी की बढ़त रही। महीने के आधार पर हर क्रेडिट कार्ड से खरीदी का औसत 12.4 हजार रुपए रहा।

महंगाई और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव से गुजर चुके शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह औद्योगिक उत्पादन, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों से तय होगी। समीक्षाधीन सप्ताह में 60 हजार अंक से नीचे लुढ़का बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताहांत पर 619.07 अंक की छलांग लगाकर 60686.69 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 183.95 अंक उछलकर 18 हजार के मनौवैज्ञानिक स्तर के पार 18102.75 अंक पर पहुंच गया। बीते सप्ताह सोमवार को शुक्रवार को छोड़क शेष अन्य कारोबारी दिवस शेयर बाजार गिरावट पर रहा। बीते सप्ताह दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियां भी उतार-चढ़ाव से गुजरकर सप्ताहांत पर तेजी के साथ बंद हुईं। आलोच्य अवधि में बीएसई का मिडकैप 376.5 अंक मजबूत होकर 26368.78 अंक और स्मॉलकैप 491.76 अंक की उछाल लेकर 29232.53 अंक पर रहा। विश्लेषकों ने कहा, ''बीते सप्ताह बाजार पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के आंकड़ों का असर रहा लेकिन अब बाजार का ध्यान वैश्विक संकेतों पर केंद्रित होगा। अमेरिका में महंगाई उम्मीद से अधिक रहने के कारण वैश्विक बाजार का कारोबार अस्थिर रहा। हालांकि निवेशकों की ओर से घबराहट की प्रतिक्रिया नहीं है। शुक्रवार को देर शाम जारी उम्मीद से अधिक खुदरा महंगाई और उम्मीद से कमजोर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों का घरेलू शेयर बाजार में सोमवार के असर दिख सकता है। थोक महंगाई के आंकड़े भी सोमवार को कारोबार के दौरान घोषित किए जाएंगे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण 1.18 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,18,383.07 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इस बढ़ोतरी में सबसे अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 619.07 अंक या 1.03 प्रतिशत के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई, वहीं एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि., आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 59,437.12 करोड़ रुपए के उछाल से 16,44,511.70 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में 29,690.9 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 7,48,580.98 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 17,187 करोड़ रुपए के लाभ से 5,41,557.77 करोड़ रुपए और टीसीएस का 5,715.04 करोड़ रुपए के उछाल से 13,03,730.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोटक महिंद्रा बैंक की बाजार हैसियत 3,301.84 करोड़ रुपए बढ़कर 4,11,183.32 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस की 3,051.17 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,57,355.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 22,545.39 करोड़ रुपए घटकर 8,60,436.44 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 17,135.26 करोड़ रुपए घटकर 4,56,270.76 करोड़ रुपए रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 3,912.07 करोड़ रुपए घटकर 5,65,546.62 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का 3,810.99 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,39,016.40 करोड़ रुपए रह गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.14 अरब डॉलर घटकर 640.87 अरब डॉलर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 05 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 1.14 अरब डॉलर घटकर 640.87 अरब डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 1.91 अरब डॉलर बढ़कर 642.02 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 05 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 88.1 करोड़ डॉलर घटकर 577.58 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार 23.4 करोड़ डॉलर गिरकर 38.77 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.7 करोड़ डॉलर कम होकर 19.28 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.22 अरब डॉलर पर आ गया।

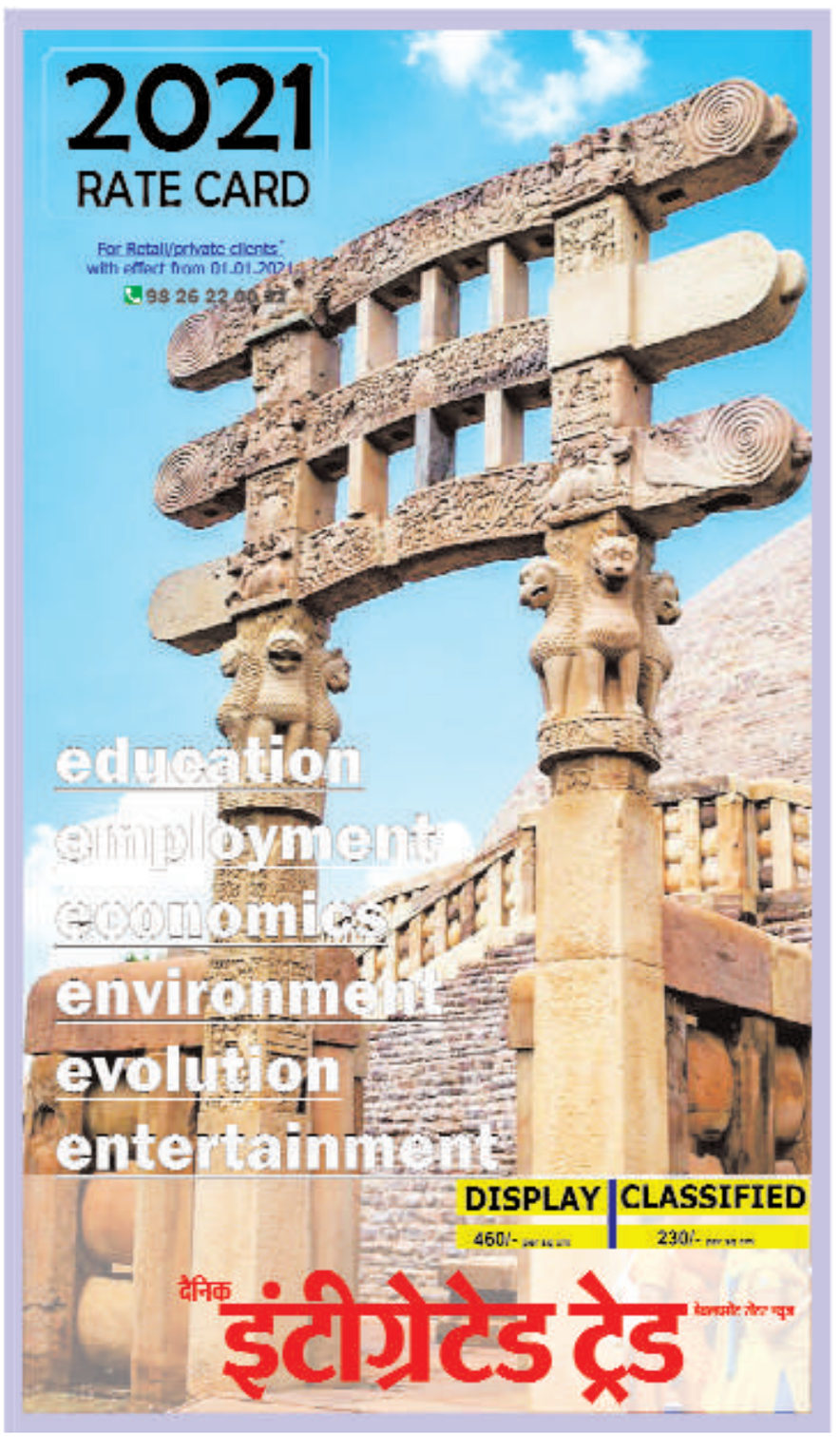

वैश्विक खाद्य आयात बिल 1 हजार 750 अरब डॉलर को पार करने की संभावना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने अपनी एक नई रिपोर्ट में वैश्विक खाद्य व्यापार की मात्रा और मूल्य दोनों मामलों में अपने सबसे ऊंचे रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना जताई है। वर्ष 2021 के अन्त तक वैश्विक खाद्य आयात बिल के 1 हजार 750 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्शाता है और पहले जताए गए अनुमानों से 12 फीसदी अधिक है। यूएन एजेंसी की नई 'फूड आउटलुक' रिपोर्ट बताती है कि खाद्य वस्तुओं में व्यापार ने वैश्विक महामारी से उपजे व्यवधान के प्रति असाधारण सहन क्षमता दिखाई है। कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण निर्धन देशों व उपभोक्ताओं के लिए चुनौतियां भी बढ़ी हैं। बताया गया है कि खाद्य व्यापार में वृद्धि की वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिक्री की जाने वाली खाद्य वस्तुओं की कीमतों का ऊंचा स्तर और मालढुलाई कीमतों में तीन गुना बढ़ोत्तरी है। विकासशील क्षेत्रों का कुल आंकड़े में हिस्सा 40 प्रतिशत है और उनके खाद्य आयात बिल में पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की संभावना है। निम्न आय और भोजन के अभाव से ग्रस्त देशों के लिए यह और भी अधिक हो सकती है। उत्पादों के मामले में विकासशील क्षेत्रों को बुनियादी खाद्य वस्तुओं जैसे कि अनाज, वनस्पति तेल, तिलहन के दामों की ऊंची कीमत से जूझना पड़ रहा है।

मक्का व चावल की रिकॉर्ड पैदावार होने की संभावना

मुख्य कारक विकसित क्षेत्रों में उच्च-मूल्य वाली खाद्य वस्तुओं, जैसे फल, सब्जी, मछली उत्पाद व पेय पदार्थ, मोटे तौर पर वृद्धि की मुख्य वजह हैं। मुख्य अनाजों के संबंध में पूर्वानुमान आशाजनक हैं, और मक्का व चावल की रिकॉर्ड पैदावार होने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार तिलहन व उससे बनाए जाने वाले उत्पादों की आपूर्ति में हालात बेहतर होने की संभावना व्यक्त की गई है।

क्या करेंगे चिनफिंग?

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के छठे प्लेनरी सेशन में पार्टी के सौ साल के इतिहास से संबंधित दस्तावेज पारित हुआ। इसे शी के राष्ट्रपति के रूप में अगले कार्यकाल की तैयारी भी माना जा रहा है। उन्हें माओ से भी अधिक ताकतवर माना जा रहा है। यह बात गौर करने लायक है कि अब तक के इतिहास में यह तीसरा ही मौका है, जब पार्टी ने ऐसा प्रस्ताव पारित किया। पहली बार 1945 में माओत्से तुंग के नेतृत्व में और दूसरी बार 1981 में तंग श्याओ फंग की अगुआई में पार्टी ने ऐसा प्रस्ताव पारित किया था। ध्यान रहे पार्टी से पारित इस प्रस्ताव के बाद ही माओ के नेतृत्व को वह मजबूती मिली, जिसकी बदौलत 1949 में वह पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की घोषणा कर देश को समाजवादी रास्ते पर ले जा सके। ऐसे ही तंग श्याओ फंग अगर माओ के नेतृत्व में %सांस्कृतिक क्रांति के दौरान की गई गलतियों% को रेखांकित करते हुए देश में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात कर सके, तो उसके पीछे 1981 में पारित इस प्रस्ताव से मिली ताकत की बड़ी भूमिका मानी जाती है। अब जब शी ने भी वह ताकत हासिल कर ली है तो सवाल उठना लाजिमी है कि वह इस ताकत का कैसा इस्तेमाल करने वाले हैं। जवाब का कुछ संकेत पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई इस बात से मिल जाता कि यह प्रस्ताव दूसरे शतकीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा। ध्यान रहे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने जो दो शतकीय लक्ष्य तय कर रखे हैं, उनमें पहला है 2021 तक सामान्य रूप में समृद्ध समाज (मॉडरेटली प्रॉस्परस सोसायटी) बनना और दूसरा 2049 तक पूर्ण विकसित, अमीर और ताकतवर देश बनना। इस दूसरे लक्ष्य को हासिल करने की चीनी नेतृत्व की बेकरारी ही है जो दुनिया के तमाम बड़े देशों की चिंता का कारण बनी हुई है। चूंकि मामला अपने समाज को समृद्ध बनाने भर का नहीं, %पूर्ण विकसित, अमीर और ताकतवर% देश का रुतबा पाने का है, इसलिए स्वाभाविक ही पिछले कुछ समय से चीन की अंतरराष्ट्रीय नीति में एक तरह की आक्रामकता झलकने लगी है। चाहे भारत के साथ सीमा विवाद का मसला हो या हांगकांग में लोगों के लोकतांत्रिक प्रतिरोध को दबाने का, चाहे साउथ चाइना सी में कृत्रिम द्वीपों के जरिए अपने दावों को ठोस रूप देने की कोशिशों का हो या फिर अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों में अपनाई जाने वाली रणनीति का- हर जगह उसकी यह आक्रामकता अन्य पक्षों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित कर रही है। यही वजह है कि दुनिया में एक नई तरह की गोलबंदी बनने लगी है, जिसे कुछ प्रेक्षक शीत युद्ध के एक नए दौर की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं। इसमें संदेह नहीं कि 21वीं सदी की दूसरी चौथाई में दुनिया का स्वरूप काफी हद तक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंदर की इन गतिविधियों के भविष्य पर निर्भर करेगा।

पुलिस पर सवाल, लखीमपुर खीरी मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में पिछले महीने हुई हिंसा की जांच के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है। इस मामले में पुलिस ने जिस तरह से कदम उठाए और जांच प्रक्रिया को जिस तरह से आगे बढ़ाया, उस पर शुरू से ही सवाल उठाए जा रहे हैं। जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई शुरू की, तब उसके सामने भी ये सवाल थे। अदालत को पता था कि चूंकि आरोपों की जद में आ रहे लोग केंद्रीय गृहराज्य मंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति से सीधे तौर पर जुड़े हैं, इसलिए हो सकता है पुलिस जांच उस रूप में आगे न बढ़ सके, जिस तरह से ऐसे गंभीर मामलों में इसे बढ़ना चाहिए। बावजूद इसके, सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पुलिस पर भरोसा करते हुए उसे मौका दिया कि वह इस महत्वपूर्ण मामले की सही ढंग से जांच करके तमाम आशंकाओं को गलत साबित करे। अफसोस की बात है कि यूपी पुलिस ने न तो मौके की अहमियत समझी और न ही वह अपने व्यवहार से देश की सर्वोच्च अदालत को प्रभावित कर पाई। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पुलिस की ओर से पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट को तो निराशाजनक बताया ही, उसकी अब तक की गई कार्रवाई में भी बहुत सारी कमियां पाईं। इन कमियों को देखते हुए कोर्ट की राय बनी कि ऐसे में मामले की सही, विश्वसनीय और पारदर्शी जांच यूपी पुलिस के द्वारा संभव नहीं है। उसके सामने यह दुविधा भी थी कि क्या यह मामला सीबीआई या किसी सेंट्रल एजेंसी को सौंपा जाए? अदालत ने ऐसा नहीं किया। उसने अंतत: इस मामले की जांच राज्य से बाहर के किसी हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की देखरेख में कराने का फैसला किया है। वह डे-टुडे बेसिस पर तब तक इस जांच पर नजर रखेंगे जब तक कि चार्जशीट फाइल नहीं कर दी जाती। मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होनी है और देखना होगा कि उस दिन राज्य सरकार इस बारे में क्या कहती है, लेकिन यह पूरा मामला देश की पुलिस व्यवस्था पर सख्त टिप्पणी है। इससे पहले भी अदालतें कई तरह के मामलों में पुलिस की जांच व्यवस्था पर सवाल उठाती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद इस मामले में स्थिति बहुत बेहतर नहीं हुई है। यहां तक कि सीबीआई सहित दूसरी केंद्रीय जांच एजेंसियों पर भी राजनीतिक दबाव में काम करने के आरोप लगते रहे हैं।

संपादकीय

सीबीआई को काम करने दें

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर ठीक ही चिंता जताई है कि एक-एक करके आठ राज्य सीबीआई को जांच-पड़ताल के लिए दी गई आम इजाजत वापस ले चुके हैं और इसका देश की इस प्रमुख जांच एजेंसी के कामकाज पर बुरा असर पड़ रहा है। हाल ही में सीबीआई डायरेक्टर ने कोर्ट में हलफनामा दायर करके बताया था कि पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मिजोरम द्वारा आम सहमति वापस लिए जाने से सीबीआई को इन राज्यों में किसी तरह की जांच-पड़ताल शुरू करने से पहले केस-दर-केस इजाजत लेनी पड़ती है। आलम यह है कि 2018 से लेकर जून 2021 के बीच किए 150 अनुरोधों में से सीबीआई मात्र 18 फीसदी मामलों में जांच की अनुमति हासिल कर सकी है। गौर करने की बात है कि मिजोरम (जहां मिजो नैशनल फ्रंट की सरकार है) को छोड़ दें तो सीबीआई से आम सहमति वापस लेने वाले इन तमाम राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। इन राज्यों की शिकायत है कि सीबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए किया जा रहा है और इसीलिए वे हर केस का मेरिट देखने के बाद ही उसे जांच करने की इजाजत देने या नहीं देने का फैसला करेंगे।

अब चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और केस चीफ जस्टिस एन वी रमना को रेफर कर दिया गया है, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्दी ही यह प्रकरण सही दिशा में आगे बढ़ेगा। लेकिन ध्यान में रखने की बात यह है कि ऐसी उलझनें तब पैदा होती हैं, जब केंद्रीय एजेंसियों की विश्वसनीयता का ग्राफ नीचे जाता है। सीबीआई जैसी एजेंसी के कामकाज को लेकर बना अविश्वास जहां विरोधी दलों के नेताओं के मन में आशंकाएं पैदा करता है, वहीं उनमें से कुछ को यह ढाल देता है कि वे राजनीतिक दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए अपने या अपने लोगों के खिलाफ चल रही जेनुइन जांच भी रुकवाने की कोशिश करें।

दोनों ही स्थितियों का सबसे बुरा असर इस केंद्रीय एजेंसी के द्वारा की जा रही जांच-पड़ताल पर पड़ता है। सीबीआई डायरेक्टर के हलफनामे के मुताबिक भी राज्य सरकारों की इजाजत के अभाव में लंबित पड़े मामलों में कई बड़े वित्तीय घोटालों से जुड़े हैं जो इतने बड़े हैं कि देश की इकॉनमी को भी प्रभावित कर सकते हैं। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि इस मामले के कानूनी पहलू भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन कानूनों के जरिए निकाला गया कोई भी फॉर्म्युला व्यवहार में काम तभी करेगा, जब उस पर अमल अच्छी तरह होगा। और अमल का सूत्र इस बात में है कि सेंट्रल एजेंसियों को प्रफेशनल तरीके से काम करने दिया जाए। इस बिंदु पर केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और सेंट्रल एजेंसियों के अंदर की ब्यूरोक्रेसी तीनों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं और अपने अपने हिस्से की जिम्मेदारी ये तीनों ठीक से निभाएं तभी बात बनेगी।

पुलिस पर सवाल, लखीमपुर खीरी मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में पिछले महीने हुई हिंसा की जांच के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है। इस मामले में पुलिस ने जिस तरह से कदम उठाए और जांच प्रक्रिया को जिस तरह से आगे बढ़ाया, उस पर शुरू से ही सवाल उठाए जा रहे हैं। जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई शुरू की, तब उसके सामने भी ये सवाल थे। अदालत को पता था कि चूंकि आरोपों की जद में आ रहे लोग केंद्रीय गृहराज्य मंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति से सीधे तौर पर जुड़े हैं, इसलिए हो सकता है पुलिस जांच उस रूप में आगे न बढ़ सके, जिस तरह से ऐसे गंभीर मामलों में इसे बढ़ना चाहिए। बावजूद इसके, सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पुलिस पर भरोसा करते हुए उसे मौका दिया कि वह इस महत्वपूर्ण मामले की सही ढंग से जांच करके तमाम आशंकाओं को गलत साबित करे। अफसोस की बात है कि यूपी पुलिस ने न तो मौके की अहमियत समझी और न ही वह अपने व्यवहार से देश की सर्वोच्च अदालत को प्रभावित कर पाई।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पुलिस की ओर से पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट को तो निराशाजनक बताया ही, उसकी अब तक की गई कार्रवाई में भी बहुत सारी कमियां पाईं। इन कमियों को देखते हुए कोर्ट की राय बनी कि ऐसे में मामले की सही, विश्वसनीय और पारदर्शी जांच यूपी पुलिस के द्वारा संभव नहीं है।

उसके सामने यह दुविधा भी थी कि क्या यह मामला सीबीआई या किसी सेंट्रल एजेंसी को सौंपा जाए? अदालत ने ऐसा नहीं किया। उसने अंतत: इस मामले की जांच राज्य से बाहर के किसी हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की देखरेख में कराने का फैसला किया है। वह डे-टुडे बेसिस पर तब तक इस जांच पर नजर रखेंगे जब तक कि चार्जशीट फाइल नहीं कर दी जाती।

मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होनी है और देखना होगा कि उस दिन राज्य सरकार इस बारे में क्या कहती है, लेकिन यह पूरा मामला देश की पुलिस व्यवस्था पर सख्त टिप्पणी है।

इससे पहले भी अदालतें कई तरह के मामलों में पुलिस की जांच व्यवस्था पर सवाल उठाती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद इस मामले में स्थिति बहुत बेहतर नहीं हुई है। यहां तक कि सीबीआई सहित दूसरी केंद्रीय जांच एजेंसियों पर भी राजनीतिक दबाव में काम करने के आरोप लगते रहे हैं। पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों को राजनीतिक दबाव से मुक्त करने के उपाय समय-समय पर सुझाए गए हैं, लेकिन अभी तक इस मामले में ठोस पहल कम ही सामने आई है। अच्छा हो कि सरकार पुलिस सुधार को लागू करे और इसके साथ केंद्रीय जांच एजेंसियों को भी स्वायत्त बनाए। इससे सबको न्याय दिलाने का दायित्व पूरा करने में मदद मिलेगी।

आखिर हुई कटौती, बीजेपी की चुनावी चिंता से उपजा है यह फैसला?

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के बाद दीपावली से ऐन पहले सरकार ने इन पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में क्रमश- 5 रुपये और 10 रुपये प्रति लीटर कटौती की। इससे लोगों को तत्काल कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन सरकार के इस कदम का वैसा उत्साहपूर्ण स्वागत नहीं हुआ, जैसी उम्मीद की जा रही थी। कारण संभवत- यह है कि आम लोगों के लिए इस फैसले को सरकार की संवेदनशीलता से जोड़कर देखना संभव नहीं हो पा रहा।

पिछले काफी समय से पेट्रोल और डीजल कीमतों का लगातार बढ़ता बोझ आम लोगों के लिए जीना मुश्किल किए हुए था। मगर सरकार ने कभी यह संकेत नहीं दिया कि वह इसे लेकर चिंतित है या इसे कम करने के उपायों पर विचार कर रही है। सरकार का यह फैसला 29 विधानसभा सीटों और 3 लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजे घोषित होने के बाद आया है, जिन्हें कांग्रेस के लिए उत्साहवर्धक और बीजेपी के लिए चिंताजनक माना गया। स्वाभाविक ही इससे यह संदेश गया कि बीजेपी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत 5 राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित है और ताजा फैसला इसी चुनावी चिंता से उपजा है।

इसका मतलब यह माना गया कि इन राज्यों में चुनाव होते ही पेट्रोल और डीजल के भाव फिर ऊपर का रुख कर लेंगे। दूसरी बात यह कि पिछले कुछ समय में इनके दाम में जो असाधारण बढ़ोतरी हुई है, उसके मुकाबले यह कटौती बहुत कम है। 2021 की ही बात करें तो साल की शुरुआत से अब तक पेट्रोल और डीजल के भाव करीब 28 रुपये और 26 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए जा चुके हैं। इस मुकाबले 5 रुपये और 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती को राहत माना भी जाए तो कैसे? खासकर तब, जब इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों से ज्यादा बड़ी भूमिका एक्साइज ड्यूटी की हो। ताजा कटौती के बाद भी पेट्रोल पर 27.90 रुपये और डीजल पर 21.80 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी लगती है, जो पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान लगने वाली ड्यूटी के मुकाबले बहुत ज्यादा है। हालांकि आज के हालात और चुनौतियों की तुलना पिछली सरकारों के कार्यकाल से नहीं की जा सकती। लेकिन पेट्रोल और डीजल के ऊंचे भाव न केवल शहरों और गांवों के आम वाहनधारकों को प्रभावित करते हैं बल्कि फसलों की सिंचाई और माल ढुलाई का खर्च बढ़ाकर आम तौर पर महंगाई का स्तर बढ़ा देते हैं। इसलिए जरूरी है कि सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम में और कमी लाने पर विचार करे।

कविता

वक़्त की सियाही में
तुम्हारी रोशनी को भरकर
समय की नोक पर रक्खे
शब्दों का काग़ज़ पर
क़दम-क़दम चलना।

एक नए वजूद को
मेरी कोख में रखकर
माहिर है कितना
इस क़लम का
मेरी उँगलियों से मिलकर
तुम्हारे साथ-साथ
यूँ सुलग सुलग चलना

--- मीना चोपड़ा

इन आदतों वाले इंसान के साथ कभी खुश नहीं रह सकते आप! सोच-समझकर करें शादी

सभी पार्टनर एक-दूसरे की आदतों को समझते हुए एडजेस्ट करते ही हैं लेकिन फिर भी कुछ आदतें ऐसी होती हैं, जिनके साथ एडजेस्ट करना मुश्किल होने के साथ आपके फ्यूचर के लिए भी खतरनाक है।

कहते हैं कि कोई भी परफेक्ट नहीं होता इसलिए रिलेशनशिप में साथ निभाने के लिए एक-दूसरे के साथ कुछ न कुछ एडजेस्ट जरूर करना होता है। सभी पार्टनर एक-दूसरे की आदतों को समझते हुए एडजेस्ट करते ही हैं लेकिन फिर भी कुछ आदतें ऐसी होती हैं, जिनके साथ एडजेस्ट करना मुश्किल होने के साथ आपके फ्यूचर के लिए भी खतरनाक है।पार्टनर में मौजूद इन आदतों के साथ आपका रिश्ता खुशी-खुशी नहीं चल सकता।ऐसे में आपके पार्टनर में भी अगर ये आदतें हैं, तो उनसे खुलकर बात करें, वरना दूरी बना लेना ही अच्छा है।

हमेशा कमियां देखना

कमियां हर इंसान में होती है लेकिन कभी-कभी कमियां इंसान के नजरिए में भी होती है। अगर आपका पार्टनर हमेशा आप में कमियां ही नोट करता रहता है, तो एक दिन उसकी यह बातें आपको अंदर से उदास कर देगी और आप आत्मविश्वास खोने लग जाएंगे।

दूसरों के सामने आपकी बुराई

जब दो लोग रिलेशनशिप में होते हैं, तो उनके बीच कई बातें होती हैं।इनमें से कुछ बातें बुरी लगने वाली भी हो सकती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी और से बुराई की जाने लगे।ऐसा करने वाला इंसान कभी भी आपके करीब नहीं हो पाएगा।सीधी-सी बात है कि ऐसे पार्टनर पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

दूसरों के प्रति सेक्सुअली अट्रैक्ट होना

पार्टनर के साथ प्यार के साथ ही वफादारी भी चलती है।दुनिया में कई चेहरे सुंदर, स्मार्ट हो सकते हैं।उन्हें देखना या तारीफ करना गलत नहीं है लेकिन पार्टनर के सामने या उसकी गैर-मौजूदगी में किसी को घूरते रहना या सेक्सुअली अट्रैक्ट होना आपके लिए सिग्नल है कि मौका मिलने पर वह इंसान आपको धोखा भी दे सकता है।ऐसे पार्टनर से दूरी भली।

आपकी कामयाबी से चिढ़ना

बहुत से लोग होते हैं, जो पार्टनर की कामयाबी को आसानी से डाइजेस्ट नहीं कर पाते।उन्हें लगता है कि अगर उनका पार्टनर उनसे आगे निकल रहा है, तो इससे उनकी वैल्यू कम होती जाएगी।जिसकी वजह से वे मन ही मन कॉम्पिटिशन करने लगते हैं।

अटेंशन की भूख

अपनी तारीफ हर किसी को पसंद होती है लेकिन हमेशा अटेंशन की भूख होना या फिर पार्टनर की ओर से मिलने वाली तारीफों को नजरअंदाज करके दूसरों लोगों से अटेंशन की उम्मीद लेकर उन्हें इम्प्रेस करने के हथकंडे करने वाला इंसान मैच्योर नहीं हो सकता।ऐसा व्यक्ति पार्टनर बनकर आपको कमतर ही फील कराएगा।

छोटी-छोटी चीजें पाने के बाद अंहकार

जिंदगी में कई चीजों को पाने की लालसा होती है लेकिन उन चीजों को पाने के लिए मेहनत तो जरूरी ही है।साथ ही उन चीजों को पाने के बाद जमीन पर पैर टिकाए रखना भी बेहद जरूरी है।आपको अगर ऐसा लगे कि कुछ मिलते के साथ आपका पार्टनर खुद को सबकुछ समझकर अंहकार से भर गया है या उसके स्वभाव में कोई बदलाव आ गया है, तो ऐसे पार्टनर से दूरी बना लें। आगे चलकर आपको ऐसे इंसान के साथ परेशानी के अलावा और कुछ नहीं मिलेगा।

टाइप-2 डायबिटीज पीड़ितों के लिए फायदेमंद है तेज पत्ते की ये चाय

खाने में हल्का सा मिठा स्वाद देने के साथ ही तेज पत्ता सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। खाने की रिच ग्रेवी जब भी बनानी होती है, तो सबसे पहले तेज पत्ता ही डाला जाता है। कई घरों में इसका इस्तेमाल रोजाना किया जाता है। आज आपको बताने वाले हैं तेज पत्ते को डाइट में शामिल करने के तरीके के बारे में। जिससे आप कई स्वास्थ्य लाभ का फायदा उठा सकते हैं। आइए, जानते हैं तेज पत्ता की चाय की विधी और फायदे।

तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए

2-3 कप पानी
4-5 तेज पत्ते

विधि

तेज पत्ते के 3-4 टुकड़े करें और उन्हें छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। अगर आपके पास ताजी तेजपत्ता नहीं है, तो आप सूखे तेज पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। क बर्तन में पानी डालकर उबाल लें। इसमें तेज पत्ते डालें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। पानी को छान कर सुबह पीएं।

तेज पत्ता की चाय पीने के फायदे

1) स्वास्थ्य दिल
दिल के वॉल्स को स्वस्थ्य करने में मदद करता है, क्योंकि इसमें रुटिन और कैफिक एसिड होता है। इसके साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

इन आदतों वाले इंसान के साथ कभी खुश नहीं रह सकते आप!

2) दर्द
इन पत्तियों में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं। जो मोच, जोड़ों के दर्द और गठिया सहित किसी भी तरह के दर्द को कम करने में मदद करते हैं।
3) कैंसर
कुछ अध्य्यनों के मुताबित इस पत्ते में कुछ ऐसे गुण होते हैं। जो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें फाइटोन्यूट्रिएंट्स और कैटेचिन हैट शरीर से कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद सकता है।
4) गला
इसकी चाय सर्दी खांसी से राहत देने में मदद करती है। सांस की समस्या के लिए तेज पत्ता फायदेमंद है।
5) एनजाइटी और स्ट्रेस
काम पर बिजी दिन के बाद एक कप तेजपत्ता की चाय पीने की कोशिश करें। यह चाय आपके सभी चिंता और आपको आराम करने में मदद करेगा।

हेल्थ के साथ बालों के लिए फायदेमंद है आंवला पाउडर, इस तरह से करें इस्तेमाल

आंवला के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में हर कोई जानता है। आंखें कमजोर होने पर आंवला खाने की सलाह दी जाती है। बालों के लिए भी आंवला पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि ये पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि बालों पर इसे किस तरह से लगाया जा रहा है। आंवला में विटामिन सी होता है और इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं। वहीं ऐसा माना जाता है की बालों की ग्रोथ में भी आंवला मदद करता है। कई रिसर्च के मुताबिक आंवले की मदद से बालों को मजबूत बनाया जा सकता है। बालों पर आंवले के इस्तेमाल से बालों की ग्रोथ अच्छी होती है और इसमें मौजूद आयरन स्कैल्प हेल्थ को अच्छा कर सकता है। आंवला में मौजूद विटामिन सी बालों को शाइनी बना सकता है।

कैसे करें बालों पर आंवले का इस्तेमाल

1) महंदी में मिलाकर लगाएं
अगर आप बालों में महंदी का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें 1 चम्मच आंवला ऑयल मिला सकते हैं। ये बालों को मॉइश्चराइज करने में मदद करेगा। ध्यान दें कि इसे लगाने से सिर पर ठंडक महसूस होती है, ऐसे में आप इसे गर्म मौसम में ही लगाएं।
2) ऑयल बनाएं
सामग्री
3 बड़े चम्मच ऑलिव ऑयल
1 बड़ा चम्मच आंवला पाउडर
8-10 करी पत्ते

तरीका

तीनों चीजों को पानी में मिलाकर थोड़ी देर गैस पर रखें और एक उबाल आने दें। इसके बाद इसे छानकर अपने बालों में लगाएं। आप इसे 1 घंटे में हटा सकते हैं या फिर चाहें तो रात भर के लिए लगा रहने दें सकते हैं
3) हेयर मास्क
सामग्री
2 अंडा
1 चम्मच आंवला पाउडर
तरीका: आंवला हेयर मास्क बनाने के लिए 2 अंडों के सफेद भाग को अच्छे से फैंटे और फिर इसमें आंवला पाउडर मिक्स करें। बालों पर इसे आधे से एक घंटे के लिए लगाएं और ठंडे पानी से धो लें। ये बालों को पोषण देने में मदद करेगा। जिससे आपके बाल नैचुरली खूबसूरत नजर आएंगे।

आंवला पाउडर में जड़ी बूटियां मिलाएं

शिकाकाई, रीठा और भृंगराज पाउडर के साथ आंवला पाउडर मिला कर लगाने से बाले अच्छे होते हैं। इन सभी चीजों का एक चम्मच गुनगुने पानी में भिगोएं। इसके बाद पेस्ट को अपने बालों में अच्छी तरह से लगाएं। आगर आपको आंवला सूट नहीं करता है, तो आप इसका इस्तेमाल ना करें। साथ ही किसी भी टिप को अपनाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

बच्चों के लिए दही डालकर बनाएं चटपटी अरबी की सब्जी

आमतौर पर ज्यादातर बच्चे खाने-पीने के मामले में बहुत ही नखरे करते हैं. जैसे पौष्टिक सब्जी उन्हें पसंद नहीं आती. अरबी की सब्जी भी इसी लिस्ट में शामिल है लेकिन आज हम आपको अरबी की सब्जी बनाने की ऐसी रेसिपी बता रहे हैं, जो आपको ही नहीं बच्चों को भी बेहद पसंद आएगी।आइए, जानते हैं रेसिपी-

सामग्री

अरबी- 250 ग्राम ' गाढ़ा दही- 1 कप ' अजवाइन- 1/2 चम्मच
कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 1-1/2 चम्मच ' हल्दी पाउडर- 1/4 चम्मच
धनिया पाउडर- 1 चम्मच
गरम मसाला पाउडर- 1 चम्मच
बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच
नमक- स्वादानुसार
तेल- आवश्यकतानुसार
पानी- 1 कप

विधि :

अरबी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। कुकर में थोड़े-से पानी और चुटकी भर नमक के साथ डालें। एक सीटी लगाएं। कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। अरबी का छिलका छीलकर उसे लंबाई में काट लें। दही को अच्छी तरह से फेंट कर रख लें। पैन में तेल गर्म करें और उसमें अजवाइन डालें। 10 सेकेंड के बाद उसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर मिलाएं। पैन में अरबी डालकर मिलाएं। धीमी आंच पर लगातार मिलाते हुए अरबी को 10 से 12 मिनट तक पकाएं। आधा कप पानी डालें और पांच से सात मिनट तक पकाएं। अब दही को पैन में डालें और उबाल आने तक लगातार चलाते हुए पकाएं। गरम मसाला और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं और गैस बंद कर दें। पराठा व सलाद के साथ सर्व करें।

जैसलमेर ट्रिप को बनाएं रोमांचक, इन एडवेंचर स्पोर्ट्स को करें ट्राई

इन दिनों हर कोई जमकर ट्रिप प्लान कर रहा है। कोई पहाड़ तो कोई समंदर की और रुख कर रहा है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो एडवेंचर ट्रिप प्लान कर रहे हैं। एडवेंचर ट्रिप जितने खतरनाक होते हैं, उतने ही एक्साइटिंह भी होते हैं। ऐसे में आज आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे एडवेंचर स्पोर्ट्स के बारे में जिसका लुफ्त उठाना कई लोगों की ख्वाइश है। जैसलमेर के एडवेंचर स्पोर्ट्स देशभर में काफी पॉपुलर हैं। ऐसे में आप जैसलमेर जाने का प्यान बना रहे हैं, तो इस एडवेंचर स्पोर्ट्स को एक बार जरूर ट्राई करें। आइए, जानते हैं।

कैमल रेसिंग

इस बात से हर कोई वाखिफ है कि ऊंट को रेगिस्तान की शान माना जाता है। ऐसे में हार्स और कैमल रेसिंग जैसलमेर में सबसे पॉपुलर है, हालांकि पूरे राजस्थान में ये खूब पॉपुलर है। इस रेस को देखने दूर-दूर से लोग आते हैं। कैमल रेसिंग आम दिनों के अलावा एनुअल डेजर्ट फेस्टिवल में भी होता है, जो कि फरवरी में आयोजित किया जाता है।

क्वाड बाइकिंग

क्वाड बाइकिंग का हर कोई दीवाना है, लड़कों से लेकर लड़कियों तक हर कोई इसका लुफ्त उठाता है। क्वाड बाइकिंग ना सिर्फ एक्साइटिंग बल्कि काफी एडवेंचर्स भी होती है। सीजन के दौरान आपको यहां अच्छा खासा डिस्काउंट मिल सकता है। इसके अलावा आप एटीवी सवारी का आनंद ले सकती है।

जिप लाइनिंग

ज्यादातर युवा इसे करने से डरते हैं, वहीं कई लोगों की इसे करने की ख्वाहिश होती है कि वह जिंदगी में इस स्पोर्ट को एक बार जरूर करना चाहते हैं। जिप लाइनिंग करते हुए रेगिस्तान का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। डेयोर कैंप में 250 मीटर से अधिक फैली जीप लाइन का आनंद ले सकते हैं।

हॉट एयर बैलून

रेगिस्तान की खूबसूरती देखने के साथ अगर आप रिलैक्स करना चाहते हैं, तो हॉट एयर बैलून जैसे रोमांचक एक्टिविटी का मजा जरूर लें। सुर्यास्त और सुर्योदय के दौरान ये जगह और भी खूबसूरत लगती है।

डेजर्ट ड्यून सफारी

दुबई सफारी को देख अगर आपको भी सफारी का मजा उठाना है, वो भी बिना दुबई गए तो आप जैसलमेर जा सकते हैं। जैसलमेर से लगभग 45 किलोमीटर दूर सिर्फ रेत ही दिखाई देती है। जैसलमेर में लामा टूर एंड ट्रैवल्स कंपनी ने देश में पहली बार डेजर्ट ड्यून सफारी का आयोजन किया था। वहीं अब लोगों के बीच यह आकर्षण का केंद्र बन गया है।

दिल्ली की हवा आज भी जहरीली

राजधानी में AQI 386, एयर क्वालिटी बहुत खराब कैटेगरी में; पहाड़ों की सैर पर जा रहे लोग

हालात इतने गंभीर हैं कि हम घरों में भी मास्क लगाकर घूम रहे हैं

पराली जलाने से कुछ प्रतिशत ही प्रदूषण फैल रहा है, बाकी का क्या?

एयर क्वालिटी सुधारने का दो-तीन दिन का नहीं, पूरा प्लान बताइए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में आज भी हवा की गुणवत्ता बहुत खराब है। दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 386 है। हालांकि यह कल के मुकाबले कुछ कम है। कल दिल्ली में त्तद्ध यानी हवा की गुणवत्ता 476 थी। यानी आज हवा में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन यह लोगों को राहत देने के लिए काफी नहीं है। कल सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार को फटकार लगाई थी और प्रदूषण को काबू करने के लिए इमरजेंसी प्लान बताने को कहा था। इसके बाद शाम को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आंशिक लॉकडाउन लगा दिया।

पहाड़ों की सैर पर जा रहे लोग

देश के कई हिस्सों में खराब हवा के चलते बड़ी संख्या में लोग पहाड़ों की तरफ जा रहे हैं। शिमला के होटल चालक ने बताया कि फिलहाल यहां हर रोज 70-80 फीसदी तक होटल फुल हैं। दिवाली के बाद से ही बुकिंग में इजाफा हुआ है। हिमाचल का त्तद्ध पड़ोसी राज्यों से कहीं बेहतर है। ऐसे में अच्छी हवा के लिए पर्यटक यहां आ रहे हैं।

दिल्ली में एक हफ्ते के लिए स्कूल बंद

दिल्ली सरकार ने एक सप्ताह के लिए सभी स्कूल बंद कर दिए हैं, जबकि सभी सरकारी कर्मचारियों को भी वर्क फ्रॉम होम के लिए कहा गया है। नेशनल कैपिटल में आंशिक लॉकडाउन जैसे यह फैसले पॉल्यूशन के मसले पर की गई इमरजेंसी मीटिंग में किए गए। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इन फैसलों की घोषणा की और चेतावनी दी कि हम संपूर्ण लॉकडाउन के तौर तरीकों पर भी विचार कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा इमरजेंसी प्लान

चीफ जस्टिस रमना ने सरकार से पूछा- आप क्यों ऐसा जताना चाहते हैं कि सिर्फ पराली जलाने से ही प्रदूषण हो रहा है। उससे सिर्फ कुछ प्रतिशत ही प्रदूषण फैल रहा है, बाकी का क्या? आप दिल्ली का बाकी प्रदूषण रोकने के लिए क्या कर रहे हैं? आपको इमरजेंसी प्लान लाना चाहिए। आप बताइए कि क्या इमरजेंसी उपाय करने के लिए आपकी क्या योजना है? दो दिन का लॉकडाउन ? त्तद्ध कम करने के लिए यह आपका प्लान है? हमें सिर्फ दो तीन दिन का प्लान नहीं, बल्कि सही प्लान बताइए। दिल्ली की दिन-पर-दिन जहरीली होती हवा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को लताड़ा है। जस्टिस एनवी रमना दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर एक याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आप देख रहे हैं कि हालात कितने गंभीर हैं। हम अपने घरों में भी मास्क लगाकर घूम रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में स्कूलों के खोले जाने पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने प्रशासन से तुरंत जरूरी कदम उठाने को कहा है।

अमरावती में कर्फ्यू : शहर में लगातार दूसरे दिन हिंसा

» सुबह पथराव-लाठीचार्ज के बाद 20 गिरफ्तार; इंटरनेट बंद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

महाराष्ट्र के अमरावती में लगातार दूसरे दिन हिंसा के बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है। इससे पहले, शनिवार सुबह अमरावती के राजकमल चौक और गांधी चौक पर हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए थे। इसमें से कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया था। जवाब में पुलिस ने भी लाठीचार्ज किया। इसमें कई लोग घायल हो गए। हालात को देखते हुए पहले 4 दिनों के लिए धारा 144 लगा दी गई है और उसके बाद कर्फ्यू लगा दिया गया। किसी भी अफवाह को रोकने के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। अमरावती में शुक्रवार और शनिवार को हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने 20 स्नद्धक्र दर्ज की हैं, वहीं 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा कि अमरावती को छोड़कर पूरे राज्य में शांति है। हम स्थानीय लोगों से अपील करते हैं कि लोग शांति बनाए रखें। समाज में दरार पैदा करने वालों पर कार्रवाई होगी। अगर कोई भड़काएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र के छ्वत्रक्क संजय पांडे ने कहा कि स्थिति हमारे नियंत्रण में है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। हमें उम्मीद है कि ऐसी कोई स्थिति नहीं आएगी, जिसमें हमें बल प्रयोग करना पड़े। लोगों से कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाली गतिविधियों में शामिल न होने की अपील की गई है। महाराष्ट्र में हिंसा के बाद त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब देव के ह्लस्ञ्ठ संजय मिश्रा ने एक तस्वीर पोस्ट कर दावा किया कि राज्य में शांति बनी हुई है। कुछ लोग बेवजह अफवाहें फैला रहे हैं। त्रिपुरा में कथित साम्प्रदायिक दंगों के विरोध में महाराष्ट्र के कई शहरों में शुक्रवार को मुस्लिम संगठनों ने बंद का ऐलान किया था। इस दौरान नांदेड, मालेगांव और अमरावती में हिंसा देखने को मिली थी। शुक्रवार को हुई हिंसा और पथराव के विरोध में दूसरे पक्ष ने शनिवार को शहर में बंद बुलाया था।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पार्टी नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, आनंद शर्मा, जेपी अग्रवाल और अन्य के साथ नई दिल्ली में संसद में भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने के बाद।

आईएसआई जिहादी ग्रुप्स को फंडिंग कर रही, ताकि वहां अस्थिरता फैले और तालिबान पर दबाव बना रहे

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) अफगानिस्तान में छोटे जिहादी ग्रुप्स को सपोर्ट कर रही है। इन जिहादी ग्रुप्स की विचारधारा ज्यादा कट्टर है। इनका इस्तेमाल तालिबान को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। ये दावा फॉरेन पॉलिसी की एक रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। न्यूज रिपोर्ट में एक डॉक्युमेंट के आधार पर कहा गया है, ढ्ढस्ढ्ढ फंडेड इस्लामिक इनविटेशन एलायंस को तालिबान की जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 2020 की शुरुआत में बनाया गया था। अब इसका उद्देश्य पूरे अफगानिस्तान में चरमपंथ को सशक्त बनाकर तालिबान को अस्थिर करना है। IIA एक साल से ज्यादा समय से अमेरिकी खुफिया विभाग के रडार पर भी है। न्यूज रिपोर्ट में कहा गया है कि IIA में करीब 4,500 लड़ाके हैं। इसके जरिए ISI अफगानिस्तान में जिहाद आंदोलन को जीवित रखकर तालिबान पर अपना दबाव बनाकर रखना चाहती है। इसमें ये भी कहा गया है कि ढ्ढस्ढ्ढ से मिलने वाली फंडिंग को IIA अपने मेंबर ग्रुप्स को दे रहा है। इससे आतंकी संगठन IS-K को बूस्ट मिल रहा है। मेंबर ग्रुप्स के किए हमलों की जिम्मेदारी लेकर IS-K को खुद को एक मजबूत संगठन के तौर पर दिखाने में मदद मिल रही है।

न्यूज ब्रीफ

खतरों से निपटने को तैयार हम:रूस ने शुरू की S-400 मिसाइल की सप्लाई, 400 किमी तक मार करने में सक्षम

रूस ने सतह से हवा में मार करने वाले स्-400 मिसाइल सिस्टम भारत को सप्लाई करना शुरू कर दिया है। रूस और भारत ने अक्टूबर 2018 में S-400 की सप्लाई को लेकर एक डील की थी। यह मिसाइल सिस्टम 4 अलग-अलग मिसाइलों से लैस है जो दुश्मन के जंगी जहाज, ड्रोन, ?विमानों और बैलिस्टिक मिसाइलों को 400 किमी की दूरी पर मार सकता है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन्हें पहले पश्चिमी सीमा के करीब तैनात किया जाएगा, जहां से यह पाकिस्तान और चीन के साथ पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं के खतरों से निपट सकता है। फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री टेक्निकल कोऑपरेशन (स्नस्रूञ्जष्ट) के डायरेक्टर दिमित्री शुगेव ने बताया कि भारत को S-400 एयर डिफेंस सिस्टम की सप्लाई समय पर दी जा रही है। FSMTC रूसी सरकार का मुख्य डिफेंस एक्सपोर्ट संगठन है। स्-400 चीन और तुर्की में इस्तेमाल की जा रही हैं। यह मिसाइल सिस्?टम एक साथ 36 टारगेट पर निशाना लगा सकता है। इन्हें ट्रकों पर जगह-जगह तैनात किया जाता है और एक जगह से दूसरी जगह आसानी से ले जाया जा सकता है। अमेरिका के पास भी इनके मुकाबले वाली कोई मिसाइल नहीं है। ये रूस की बनाई S-200 मिसाइलों और S-300 मिसाइलों का चौथा और ज्यादा मारक वाला वर्जन है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक S-400 दुनिया में मौजूद सभी बेहतर एयर डिफेंस सिस्टम में से एक है। इसमें लगा हुआ एडवांस रडार 400 किमी की दूरी तक लक्ष्य को देख सकता है और उसे नष्ट कर सकता है।

गाजियाबाद में धुंध की मोटी परत के कारण कम दृश्यता के बीच दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर वाहन दौड़ते हैं।

अमेरिकियों का नौकरी से मोहभंग

44 लाख लोगों ने सितंबर में नौकरी छोड़ी

हर महीने बढ़ रही इस्तीफा देने वालों की संख्या

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना महामारी के बाद एक तरफ पूरी दुनिया में बेरोजगारी संकट बढ़ा है तो वहीं अमेरिका में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या में अचानक उछाल आया है। स ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिक्स के मुताबिक सितंबर में 44 लाख अमेरिकी लोगों ने नौकरी से इस्तीफा दिया है। यह अगस्त महीने के मुकाबले 2 लाख ज्यादा है। अगस्त में 43 लाख लोगों ने नौकरी छोड़ी थी और इसके एक महीने पहले जुलाई में 36 लाख लोगों ने इस्तीफा दिया था। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक नौकरी छोड़ने वाले ज्यादातर लोग हॉस्पिटैलिटी या रिटेल सेक्टर से जुड़े हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो काफी समय से नौकरी बदलने पर विचार कर रहे हैं। एक कारण यह भी है कि लोग स्टार्टअप की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। नौकरी छोड़ने वालों में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं की संख्या है।

इक्वाडोर की जेल में दंगा

इक्काडोर। इक्काडोर के गुआयाक्विल शहर की लिटोरल जेल में शनिवार को कैदी आपस में भिड़ गए। लड़ाई में 68 कैदियों की मौत हो गई है, जबकि 25 कैदी जख्मी हुए। यह हादसा जेल के पैविलियन 2 में हुआ जहां करीब 700 कैदी रखे गए हैं। कैदियों की लड़ाई में विस्फोटकों और चाकू का इस्तेमाल हुआ। गद्दे भी जलाए गए। पुलिस ने बताया कि जेल में दंगा शुक्रवार रात और शनिवार सुबह के दरम्यान हुआ। पुलिस ने बीच में आकर स्थिति संभाली। यह लड़ाई ड्रग ट्रैफिकिंग से जुड़े गुटों के बीच हुई। इक्काडोरियन प्रेसिडेंट गिलेरमो लास्सो ने ट्वीट किया कि उन्होंने एक सिक्योरिटी कमेटी को घटना की जांच करने का आदेश दिया है।

जिन बेटियों को कचरे में फेंका, उनमें से एक अमेरिका में ओलिपिंक की तैयारी कर रही, दूसरी को मां कनाडा में डॉक्टर बनाना चाहती है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

विदिशा में 6 साल पहले जिन बेटियों को बोझ समझकर भूखे प्यासे मरने के लिए उनके माता-पिता ने कचरे के ढेर पर छोड़ा दिया था, अब उनकी जिंदगी बदल गई है। विदिशा में मिली चार बेटियों को विदेशी दंपतियों ने अपनाया और अब वे अमेरिका, कनाडा और माल्टा में रहकर पढ़ाई कर रही हैं। ऐसी चार बेटियों की कहानी जिन्हें अपनों ने छोड़ा तो दूसरों ने इन्हें गले लगा लिया।

सिरोंज में कचरे के ढेर में मिली थी 7 दिन की सुमन

सिरोंज में 7 दिन की बच्ची को माता-पिता सड़क पर कचरे के ढेर पर छोड़ गए थे। बच्ची को पुलिस लेकर आई और विदिशा के शिशु गृह में छोड़ दिया गया। बच्ची के परिजन सामने नहीं आए। शिशु गृह में बच्ची को सुमन नाम दिया गया। अमेरिका के न्यूबर्ग में रहने वाले पेंटर मिंगुई और फायर ब्रिगेड में इंस्पेक्टर किली कैली विदिशा आए और उन्होंने सुमन को गोद ले लिया। नवंबर 2017 में वे सुमन को अमेरिकन अपने साथ ले गए थे। सुमन अब अभी से ओलंपिक की तैयारी कर रही है। साथ ही साथ पिता से पेंटिंग के गुर भी सीख रही है।

पठारी में 15 दिन की राधा को नाले में छोड़ गई थी मां

पठारी में 15 दिन की बच्ची को माता-पिता नाले के पास छोड़ गए थे। विदिशा जेल रोड स्थित शिशु गृह के प्रबंधक दीपक बैरागी ने बताया कि चाइल्ड लाइन के माध्यम से यह बच्ची हमारे पास 13 अक्टूबर 2017 को आई थी। कनाडा के टोरंटो में रहने वाली भारतीय मूल की अमृता दफ्तरी और कनाडा मूल के केविन हवर्ड ने राधा नाम की इस बच्ची को गोद लिया था। पिता केविन हवर्ड टोरंटो में वकील हैं और मां अमृता फार्मासिस्ट हैं। मां का सपना है कि राधा बड़ी होकर डॉक्टर बने। इसलिए अभी से उसकी तैयारी करा रहे हैं।

नई दिल्ली में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत एक कार्यकर्ता पेड़ों पर पानी का छिड़काव करता है।

NCA के हेड बने वीवीएस लक्ष्मण : सौरव गांगुली के मनाने के बाद नई जिम्मेदारी के लिए राजी हुए, सनराइजर्स हैदराबाद का साथ छूटा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण नेशनल क्रिकेट एकेडमी के नए हेड बनाए गए हैं। इससे पहले NCA के प्रमुख राहुल द्रविड़ थे जो अब भारतीय टीम के कोच हैं। पहले लक्ष्मण ने इस पद को संभालने से मना कर दिया था। लेकिन बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के मनाने के बाद वो मान गए हैं। लक्ष्मण अपना पदभार इंडिया ए टीम के साउथ अफ्रीका दौरे के बाद संभाल सकते हैं।

अपनी शर्तों पर माने लक्ष्मण

BCCI के एक अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया लक्ष्मण अपनी शर्तों पर NCA प्रमुख बनने को तैयार हुए हैं। सौरव गांगुली और सेक्रेटरी जय शाह यही चाहते थे। क्योंकि द्रविड़ और लक्ष्मण की समझ कमाल की है और ये टीम इंडिया और NCA दोनों के लिए बहुत अच्छा रहेगा। उनके अप्वाइंटमेंट के नियम और शर्तों पर काम जारी है। लेकिन उन्होंने अभी से ही NCA के साथ अपने आइडिया शेयर करने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि लक्ष्मण का NCA हेड बनना लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसे लेकर सौरव गांगुली और जय शाह के साथ उनके बातचीत का सिलसिला भी लंबा चला। लक्ष्मण के सामने सबसे बड़ी दुविधा हैदराबाद से फैमिली के साथ बेंगलुरु सेटल होने को

लेकर था। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद से भी बात की, जिसके वो मेंटर हैं। बहरहाल अब सारी उलझनों को सुलझा लिया गया है। लक्ष्मण ने टीम इंडिया के लिए 134 टेस्ट और 86 वनडे मैच खेले हैं।

टीम इंडिया के कोच बनना चाहते थे लक्ष्मण

रवि शास्त्री की जगह लक्ष्मण टीम इंडिया के कोच बनना चाहते थे। राहुल द्रविड़ अगर ये पद नहीं संभालते तो लक्ष्मण ही विकल्प थे। बता दें, अब लक्ष्मण IPL में हैदराबाद के मेंटर के पद से भी हटना पड़ेगा, क्योंकि BCCI संविधान के अनुसार वो NCA के हेड रहते कोई और क्रिकेट जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

न्यूज ब्रीफ

मानसिक और भावनात्मक रूप से यह किसी अन्य साल से अलग : जोकोविच

तुरिन। शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने उम्मीद जताई कि हाल के दिनों में खेल से विश्राम (ब्रेक) के कारण वह एटीपी फाइनल्स के पांच साल के खिताबी सूखे को खत्म करने में सफल रहेंगे। जोकोविच ने नए सत्र से पहले 2 महीने के विश्राम के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मेरे लिए उपलब्धि हासिल करने के दबाव के कारण यह साल मानसिक और भावनात्मक रूप से शायद किसी भी अन्य वर्ष की तुलना में अलग रहा है। आप जानते हैं कि मेरे पास इतिहास बनाने का मौका था। इसका मेरे खेल पर काफी असर पड़ा और मुझे ऐसा लगा कि मुझे फिर से मनोबल हासिल करने और सत्र को शानदार तरीके से खत्म करने के लिए ब्रेक की जरूरत है। उन्होंने कहा- पेरिस मास्टर्स में जीत के साथ बाद मैंने इंडोर सत्र का शानदार आगाज किया है और उम्मीद है कि इस साल अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखूंगा। अन्य बड़े टूर्नामेंटों की तरह एटीपी फाइनल्स में भी जोकोविच का दबदबा रहा है लेकिन वह 2015 के बाद इसके चैम्पियन नहीं बने है। उन्होंने 2008 और फिर 2012 से 2015 तक लगातार चार बार ने इस खिताब को पांच बार जीतकर पीट सम्प्रास और इवान लेंडल के रिकॉर्ड की बराबरी की है, जो रोजर फेडरर के रिकॉर्ड से एक कम है। एटीपी फाइनल्स के पांच साल के खिताबी सूखे के बारे में 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले इस खिलाड़ी ने कहा- इसकी एक वजह यह हो सकती है कि पूरे सत्र के दौरान काफी मेहनत करने के बाद आखिरी में इतनी ऊर्जा नहीं बचती है।

प्रीतम ने 74 किग्रा के मुश्किल वर्ग में चैम्पियन बनकर चौंकाया

गोंडा। रेलवे के प्रीतम ने राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रतिभाशाली जूनियर पहलवान यश को हराकर 74 किग्रा वर्ग में चैम्पियन बनकर सभी को चौंकाया तो नरसिंह पंचम यादव ने भी कांस्य पदक जीतकर मजबूत वापसी का संकेत दिया। नरसिंह ने चार साल के डोपिंग प्रतिबंध को पूरा करने के बाद हाल ही में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी की है। अमित धनखड़ और यश को इस भार वर्ग में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। 25 साल के प्रीतम ने हालांकि शुरुआती चरण के दो मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वी को पटखनी देकर जीत दर्ज की और दो मुकाबलों को उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता से अपने नाम किया। इस पहलवान ने हाल ही में जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य जीतकर सीनियर कुश्ती में आने वाले यश के खिलाफ फाइनल में भी एक अंक नहीं गंवाया और 11-0 की शानदार जीत दर्ज की। प्रीतम आक्रामकता और नियंत्रण के शानदार मिश्रण से अपने मुकाबलों में हावी रहे। उन्होंने कहा- मेरे लिए यह अच्छा था कि मैं जीत का प्रबल दावेदार नहीं था, नहीं तो मैं भी हार सकता था। सीनियर स्तर के अपने चौथे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार स्वर्ण जीतने वाले प्रीतम ने कहा कि मैंने इस साल कड़ी मेहनत की थी और मुझे खिताब जीतने का पूरा भरोसा था। अमित धनखड़ बहुत मजबूत और अनुभवी पहलवान हैं लेकिन मैं अतीत में उससे भिड़ चुका हूं और उसे हराने में सफल रहा हूं।

भारतीय टीम में चल क्या रहा है?

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट बचाने वाले हनुमा विहारी को टीम से निकाला गया

विदेशी दौरों का स्पेशलिस्ट बनाकर छोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज 25 नवंबर से शुरू होने वाली है। पहले टेस्ट मैच के लिए टीम का ऐलान शुक्रवार को कर दिया गया। टेस्ट टीम से हनुमा विहारी को बाहर कर दिया गया है। इस फैसले ने सबको चौंका दिया है। किस आधार पर ये फैसला लिया गया ये वाकई में चौंकाने वाली बात है।

क्या विदेशी दौरे के लिए बने हैं विहारी?

टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और इंग्लैंड दौरे पर हनुमा विहारी टीम इंडिया के सदस्य थे, लेकिन उनको एक भी टेस्ट मैच खेलने का मौका नहीं मिल सका था। ये कहना गलत नहीं होगा कि हनुमा विहारी को भारतीय चयनकर्ता और कैप्टन कोहली विदेशी दौरों का स्पेशलिस्ट बना रहे हैं। विदेशों में तेज पिचें होती हैं, जहां विहारी टीम की स्कीम में फिट बैठते हैं। आमतौर पर टीम इंडिया जब घरेलू सरजमीं पर या एशियन कंडीशंस में खेलती है तो टीम पांच स्पेशलिस्ट बल्लेबाजों के साथ मैदान पर उतरती है। हालांकि, विदेशों में (स्वंद्ध देश + वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका) टीम के पास छह बल्लेबाज + विकेटकीपर को प्लेइंग ङ्गङ्घ में शामिल करने का ऑप्शन रहता है।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए मिली जगह

यही एक मुख्य कारण भी माना जा सकता है कि चयनकर्ताओं ने विहारी को न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर कर साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम में जगह दी है। न्यूजीलैंड सीरीज के बाद भारत को साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाना है, जहां इंडिया ए के लिए खेलने का अनुभव हनुमा के लिए फायदेमंद सिद्ध हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली थी मैच बचाऊ पारी

विहारी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट जनवरी 2021 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेला था। यह टेस्ट सिडनी के मैदान पर खेला गया था और हनुमा विहारी ने इस मुकाबले में 161 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 23 रन रन बनाए थे। छठे विकेट के लिए उन्होंने आर अश्विन के साथ 256 गेंदों पर नाबाद 62 रन जोड़कर भारत को न सिर्फ हार से बचाया था बल्कि मैच ड्रॉ करना में बड़ी भूमिका भी निभाई थी। अपनी पारी के दौरान विहारी हैम-स्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों की कई गेंदें शरीर पर झेली थीं। इंग्लैंड दौरे पर भी हनुमा को एक भी मैच में मौका नहीं दिया गया था।

क्रिकेट इतिहास की सबसे कामयाब टीम ऑस्ट्रेलिया

5 वनडे वर्ल्ड कप, 2 चैंपियंस ट्रॉफी जीती; 14 सालों से है टी-20 चैंपियन बनने का इंतजार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

जब-जब ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की बात होती है, तब-तब 90 और 2000 का दशक याद आ जाता है। इस दौर में ऑस्ट्रेलिया टीम का खेल देखने लायक होता था। टीम को मानो बड़े खिताब जीतने की आदत सी थी। एक के बाद एक कई बड़ी ट्रॉफी कंगारू टीम ने जीतकर अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया दुनिया की पहली टीम बनी, जिसने लगातार 3 बार वनडे वर्ल्ड कप जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। उस दौर में टीम का रुतबा ऐसा था कि विपक्षी टीम के खिलाड़ी कंगारू टीम का नाम सुन कर ही घबराने लगते थे। 1999, 2003 और 2007 में टीम ने विश्व कप जीतने की हैट्रिक लगाई। जब टी-20 फॉर्मेट ने क्रिकेट की दुनिया में कदम रखा, तब भी शुरू से फैंस ने इस टीम को ही चैंपियन के रूप में देखना शुरू किया। हालांकि, 2007 में खेले गए पहले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद्दुद से कंगारू टीम एक बार भी टूर्नामेंट नहीं जीत सकी है। 2007 से 2016 के बीच कुल 6 टी-20 वर्ल्ड कप खेले गए और ऑस्ट्रेलिया की टीम सिर्फ एक बार फाइनल में पहुंची। 2007 को छोड़ दिया जाए, तो किसी भी टी-20 WC में टीम को

भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में डेरिल मिचेल को शामिल किया गया है। उन्हें विकेटकीपर बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे की जगह टीम में शामिल किया गया है। कॉनवे को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में चोट लग गई थी। मिचेल ने 2019 में टेस्ट डेब्यू किया था। इस साल की शुरुआत में क्राइस्टचर्च टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ अपने करियर का पहला शतक बनाया था। अब तक खेले 5 टेस्ट मैचों में 58 की औसत से 232 रन बनाए हैं। वहीं उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ कीवी टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने ओपनिंग करते हुए नाबाद 72 रनों की पारी खेली थी।

जयपुर पहुंचे रॉस टेलर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा

भारत में वापस आकर अच्छा लग रहा है, फैंस ने कहा- स्वागत है आपका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

17 नवंबर को राजधानी जयपुर में होने वाले टी-20 मैच की तैयारियां तेज हो गई हैं। भारतीय खिलाड़ियों के साथ न्यूजीलैंड टीम के भी कुछ खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं। इस दौरान न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज रॉस टेलर ने सोशल मीडिया पर जयपुर की तस्वीर को साझा किया। उन्होंने लिखा कि भारत में वापस आकर अच्छा लग रहा है। भारतीय फैंस ने भी उनका अभिवादन किया। टेलर न्यूजीलैंड टीम के विस्फोटक बल्लेबाज होने के साथ ही पूर्व कप्तान भी हैं। टेलर की खराब फॉर्म की वजह से उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में जगह नहीं मिल पाई थी। न्यूजीलैंड

क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें भारतीय दौरे पर टीम में शामिल किया है। उनका जयपुर और राजस्थान से पुराना नाता है। टेलर आईपीएल के शुरुआती सीजन में राजस्थान रॉयल्स से जुड़े थे। उन्होंने जयपुर में काफी लंबे वक्त तक रहकर टीम के साथ प्रैक्टिस की है।

खिलाड़ी होटल में क्वारैंटाइन

मैच से पहले भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं। फिलहाल सभी होटल मेरियट में क्वारैंटाइन हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि भारतीय टीम के खिलाड़ी भी अगले 24 घंटे में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रैक्टिस करने पहुंचेंगे।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

न्यूज़ ब्रीफ

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने राइट्स इश्यू के निवेशकों को अंतिम भुगतान के लिए कहा

नईद्दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने राइट्स इश्यू में कंपनी के 42.26 करोड़ शेयर लेने वाले निवेशकों से दूसरा एवं अंतिम भुगतान करने को कहा है। आरआईएल ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया है कि 15 मई,2020 को राइट्स इश्यू के माध्यम से 10 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले 42,26,26,894 इक्विटी शेयर आवंटित किए गए थे। कंपनी ने आंशिक भुगतान हो चुके इन शेयरों के लिए दूसरा एवं अंतिम भुगतान करने का निवेशकों को नोटिस जारी किया है। राइट्स इश्यू के दौरान रिलायंस ने 1,257 रुपये प्रति शेयर मूल्य वाले 42.26 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए थे। उस समय निवेशकों ने इन शेयरों के लिए प्रारंभिक भुगतान किया था। अब 628.50 प्रति शेयर के हिसाब से भुगतान की दूसरी एवं अंतिम किस्त जमा करने को कहा गया है। रिलायंस ने कुल 53,125 करोड़ रुपये मूल्य के राइट्स इश्यू जारी किए थे। यह पिछले एक दशक में दुनिया की किसी भी गैर-वित्तीय कंपनी की तरफ से जारी सबसे बड़ा राइट्स इश्यू था। उस समय आरआईएल ने अपने मौजूदा शेयरधारकों को 1ः15 के अनुपात में नए शेयरों की पेशकश की थी। आंशिक भुगतान वाले इक्विटी शेयरों के धारकों को अंतिम भुगतान के लिए कहने को 10 नवंबर 2021 की तारीख मुकर्रर की गई थी। दूसरा भुगतान होते ही आंशिक भुगतान वाले शेयर रिलायंस इंडस्ट्रीज के पूर्ण चुकता शेयरों में तब्दील हो जाएंगे जिनका बीएसई एवं एनएसई दोनों शेयर बाजारों में कारोबार होता है। इस भुगतान प्रक्रिया में निवेशकों की मदद के लिए रिलायंस ने व्हाट्सऐप चैटबोट को भी सक्रिय कर दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस यह चैटबोट जियो की समूह कंपनी हैप्टिक ने विकसित किया है। इसे मई 2020 में राइट्स इश्यू के समय भी सक्रिय किया गया था।

एक तिमाही में 18,347 करोड़ का लाभ-भारत में सबसे ज्यादा फायदा कमाने वाली कंपनी बनी ओएनजीसी, रिलायंस को भी पीछे छोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकारी कंपनी ऑइल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन ने रिकॉर्ड हासिल किया है। देश में किसी एक तिमाही में सबसे ज्यादा फायदा कमाने वाली कंपनी बन गई है। इसने सितंबर तिमाही में 18,347.73 करोड़ रुपए का फायदा कमाया है।

इंडियन ऑइल के नाम था रिकॉर्ड

अभी तक किसी एक तिमाही में सबसे ज्यादा फायदा कमाने का रिकॉर्ड भी सरकारी कंपनी इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन के नाम था। इस कंपनी ने मार्च 2013 की तिमाही में 14,513 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। हालांकि टाटा स्टील ने इस रिकॉर्ड को तोड़ा और उसने मार्च 2018 में 14,688 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था।

कोल इंडिया ने कमाया था 14,189 करोड़ का फायदा

इससे पहले सरकारी कंपनी कोल इंडिया ने मार्च 2016 की तिमाही में 14,189 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। जबकि निजी सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सितंबर 2021 की तिमाही में 13,680 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। इस आंकड़े में टाटा स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज की सभी कंपनियों का फायदा शामिल है। जबकि ओएनजीसी ने अकेले 18,348 करोड़ रुपए का फायदा कमाया है। ओएनजीसी की अन्य कंपनियों के फायदे को मिला दें तो यह आंकड़ा 18,749 करोड़ रुपए हो जाता है।

कच्चे तेल के इंपोर्ट पर वित्तवर्ष 2019 में 111.9 अरब डॉलर खर्च हुआ था | वित्तवर्ष में 2020 में 101 अरब डॉलर खर्च हुआ था | वित्तवर्ष 2021 में 62.71 अरब डॉलर का खर्च हुआ

110 फीसदी का लाभांश देगी ओएनजीसीः-ओएनजीसी ने इसी के साथ 110 फीसदी का लाभांश (डिविडेंड) भी देने की घोषणा की है। यानी प्रति शेयर 5.50 रुपए का लाभांश कंपनी देगी। शुक्रवार को इसका शेयर 154 रुपए के ऊपर बंद हुआ था। एक साल पहले जुलाई-सितंबर की तिमाही में कंपनी को 2,757.77 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। उसकी तुलना में इस बार सितंबर तिमाही में फायदा 5.65 गुना बढ़ा है। वित्तवर्ष 2020-21 (अप्रैल 2019 से मार्च 2020) के पूरे साल में केवल 11,246 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। चालू वित्तवर्ष यानी अप्रैल से लेकर सितंबर की बात करें तो छमाही में इसे 22,682 करोड़ रुपए का फायदा हुआ है।

दो कारणों से बढ़ा ओएनजीसी का फायदा

ओएनजीसी के फायदे में इतनी जबर्दस्त बढ़त के दो कारण हैं। एक तो कच्चे तेल की कीमतें 41 डॉलर से बढ़कर 69 डॉलर पर पहुंच गईं। दूसरे कंपनी ने एकमुश्त टैक्स का लाभ उठाया। एकमुश्त टैक्स के मामले में उसे 8,541 करोड़ रुपए का फायदा हुआ। ओएनजीसी को तेल और गैस प्रोडक्शन में कमी के बावजूद यह मुनाफा हुआ है। कंपनी का क्रूड यानी कच्चे तेल का प्रोडक्शन 3.8 फीसदी घटकर 54 लाख टन पर पहुंच गया। जबकि गैस प्रोडक्शन 7 फीसदी घटकर 5.4 अरब क्यूबिक मीटर पर आ गया। ओएनजीसी ने दरअसल कम टैक्स का विकल्प चुना था। इसमें 22 फीसदी का टैक्स लगता है। इसकी वजह से उसे करेंट टैक्स में 1,304 करोड़ रुपए की बचत हुई और डिफर्ड टैक्स में 8,541 करोड़ रुपए की बचत हुई।

2019 में सरकार ने इनकम टैक्स एक्ट में किया था सुधारः- इनकम टैक्स एक्ट 1961 में 2019 में सरकार ने सुधार किया था। इसके मुताबिक, भारत में जो कंपनियां हैं, वे कॉर्पोरेट इनकम टैक्स में 22 फीसदी पेमेंट का विकल्प चुन सकती हैं। इस पर सरचार्ज और सेस लागू होगा। इससे पहले यह टैक्स 30 फीसदी का था। इसके लिए कुछ शर्तों का पालन करना होता है। ओएनजीसी का रेवेन्यू सितंबर तिमाही में 44 फीसदी बढ़कर 24,353 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले सितंबर तिमाही में यह रेवेन्यू 18,348 करोड़ रुपए था। हालांकि, इसकी सभी कंपनियों का रेवेन्यू जोड़ लें तो कुल 1.22 लाख करोड़ रुपए हो जाता है। जो सितंबर 2020 में 83,619 करोड़ रुपए था।

भारत एशिया में तेल के रिफाइनिंग का महत्वपूर्ण हबः- भारत एशिया में तेल के रिफाइनिंग का महत्वपूर्ण हब है। इसकी सालाना क्षमता 249.36 मिलियन टन की है। इसके पास 23 रिफाइनरीज हैं। भारत ने कच्चे तेलों के आयातपर वित्तवर्ष 2021 में 62.71 अरब डॉलर खर्च किया था। जबकि वित्तवर्ष 2020 में इसने 101.4 अरब डॉलर और 2019 में 111.9 अरब डॉलर का खर्च किया था।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बढ़े सीएनजी के दाम, 45 दिनों में ही तीसरी बार हुई बढ़ोतरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में भी अब लोगों को सीएनजी के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। इसमें 2.28 रुपए से लेकर 2.56 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। बीते करीब डेढ़ माह में यह तीसरी बार है, जब सीएनजी की कीमतों में यहां बढ़ोतरी की गई है। इंद्रप्रथ गैस लिमिटेड के अनुसार रविवार सुबह 6 बजे से

दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की नई दरें लागू होंगी। दिल्ली में जहां सीएनजी के दाम में 2.28 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है, वहीं एनसीआर के प्रमुख शहरों नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद में इसमें 2.56 रुपए प्रति किलो की दर से बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में पहले सीएनजी 49.76 रुपए प्रति किलो में मिल रही थी, जो अब 52.04 रुपए पर पहुंच गई है। वहीं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में पहले सीएनजी 56.02 रुपए मिल रही थी, जो अब 58.58 रुपए में मिलेगी।

45 दिनों में तीसरी बार बढ़ी कीमतः- 1 अक्टूबर के बाद से इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने तीसरी बार सीएनजी के दाम बढ़ाए हैं। इससे पहले पिछले महीने 1 और 13 अक्टूबर को भी दाम बढ़े थे। पिछले 45 दिनों में दिल्ली में सीएनजी कुल 6.84 रुपए प्रति किलो महंगा हुआ है।

भारत में इस्पात की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में कम हैं : अधिकारी

नई दिल्ली

देश में इस्पात की कीमतें बढ़ी हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों में धातु की कीमतों की तुलना में अब भी कम हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस्पात मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रसिका चौबे ने सीआईआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''इस्पात की कीमतें वैश्विक प्रवृत्ति के हिसाब से तय होती है और अभी उच्च स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों की तुलना में हमारी कीमतें अब भी कम हैं। यह अविनियमित क्षेत्र है और बाजार की गतिशीलता का इस पर असर पड़ता है।''

बच्चों की पढ़ाई के खर्च के अलावा एजुकेशन लोन पर भी मिलती है टैक्स छूट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 31 दिसंबर तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। आईटीआर फाइल करने से पहले आपको इस पर मिलने वाली रिबेट या छूट की जानकारी होना जरूरी है। बच्चों की पढ़ाई के खर्च या उनके लिए एजुकेशन लोन के लिए चुकाए गए ब्याज पर आप टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं।

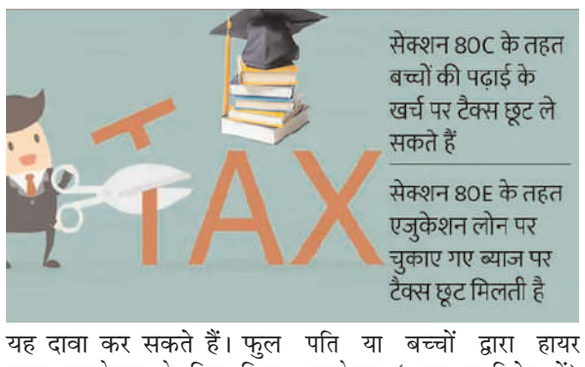

एजुकेशन के खर्च पर ले सकते हैं टैक्स छूट

आप दो बच्चों की पढ़ाई पर हुए खर्च के लिए इनकम टैक्स के सेक्शन 80ष्ट के तहत 1.5 लाख रुपए तक टैक्स छूट ले सकते हैं। वहीं अगर आपके दो से ज्यादा बच्चे हैं, तो आप किन्हीं भी दो बच्चों के लिए यह दावा कर सकते हैं। फुल टाइम एजुकेशन के लिए किए गए खर्च पर ही आप ये छूट ले सकते हैं। इसके अलावा यह छूट सिर्फ ट्यूशन फीस के लिए ही है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80E के तहत एजुकेशन लोन पर चुकाए गए ब्याज पर टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं। इस तरह की कटौती का दावा करने से जुड़ी महत्वपूर्ण शर्तें ये हैं कि लोन किसी महिला या उसके पति या बच्चों द्वारा हायर एजुकेशन (भारत या विदेश में) के लिए बैंक या वित्तीय संस्थान से लिया जाना चाहिए। कोई इस कटौती का दावा उस वर्ष से शुरू कर सकता है जिसमें लोन चुकाना शुरू हो जाता है और अगले 7 सालों तक या लोन चुकाने से पहले, जो भी पहले हो, तब तक छूट ली जा सकती है। अगर आपके 2 बच्चे हैं और आपने दोनों के लिए एजुकेशन लोन लिया है तो आप सेक्शन 80E के तहत दोनों के लोन के लिए चुकाए गए ब्याज पर टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं। इसमें अधिकतम टैक्स छूट की कोई सीमा नहीं है। मान लीजिए कि आपकी बेटी के लिए आपने पहले से एजुकेशन लोन ले रखा है और उस पर लग रहे सालाना ब्याज पर टैक्स छूट का लाभ आप ले रहे हैं। अब आप अपने बेटे की पढ़ाई के लिए भी एजुकेशन लोन ले रहे हैं तो इस पर भी आप टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं। अगर दोनों के लिए आपने 10 फीसदी ब्याज पर 10-10 लाख का लोन लिया है, तो कुल 20 लाख रुपए का सालाना ब्याज 2 लाख रुपए बनता है। आपको इस पूरे 2 लाख के ब्याज पर टैक्स छूट का लाभ मिलेगा।

ईपीएफओ ने 6.47 करोड़ लोगों के पीएफ अकाउंट में ट्रांसफर किया ब्याज का पैसा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 6.47 करोड़ सब्सक्राइबर्स के अकाउंट्स में वित्त वर्ष 2020-21 का ब्याज ट्रांसफर कर दिया है। ईपीएफओ को 8.50 फीसदी की दर से पीएफ पर ब्याज देना है। आप भी अपना पीएफ अकाउंट चेक कर लें कि आपके पीएफ अकाउंट में पैसा आया है या नहीं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप किन 4 तरीकों का इस्तेमाल कर अपना अकाउंट चेक कर सकते हैं। SMS के जरिए पीएफ बैलेंस चेक करने के लिए अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से मैसेज में श्वक्क्नह्र।ह्र ८ह्न श्वहृत्र लिखकर 7738299899 पर मैसेज करना होगा। यहां श्वहृत्र उन पहले तीन करैक्टर के बारे में बताता है जिस भाषा में आप जानकारी चाहते हैं। मैसेज की सुविधा इंग्लिश के साथ, हिंदी, पंजाबी, गुजराती, मराठी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, मलयालम और बंगाली भाषाओं में भी उपलब्ध है। मैसेज के जरिए ईपीएफओ बैलेंस जानने के लिए आपका मोबाइल नंबर८ह्न के साथ रजिस्टर्ड होना जरूरी है।

मिस्ड कॉल से चेक करें बैलेंस

मिस्ड कॉल के जरिए पीएफ बैलेंस चेक करने के लिए आपका मोबाइल नंबर८ह्न से रजिस्टर्ड होना जरूरी है। आप अपने रजिस्टर्ड मोबाइल से 011-22901406 पर मिस्ड कॉल देकर पीएफ बैलेंस जान सकते हैं। मिस्ड कॉल देने के बाद आपके रजिस्टर्ड नंबर पर पीएफ का एक मैसेज आएगा जिससे आपको पीएफ बैलेंस का पता चलेगा।

इप्का लैब का शुद्ध लाभ छह फीसदी गिरकर 250 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। औषधि निर्माता इप्का लेबोरेटरीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 6.30 फीसदी घटकर 250.23 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा है कि पिछले वर्ष की समान अवधि में उसका शुद्ध लाभ 267.07 करोड़ रुपये था। इप्का को जुलाई-सितंबर 2021 की तिमाही में परिचालन से 1,544.43 करोड़ रुपये का राजस्व मिला जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,361.10 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर आठ रुपये का लाभांश देने का भी फैसला किया है। इसके अलावा कंपनी के निदेशक मंडल ने दो रुपये के अंकित मूल्य वाले हरेक शेयर को एक रुपये अंकित मूल्य वाले दो शेयरों में बांटने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।